page 1 and 8 June 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 09-Jun-26 1:53 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डा. विकास पाधा ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

5 बांग्लादेश वनडे श्रृंखला से बाहर हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड, जोश इंगलिश करेंगे कप्तानी

8 सीबीएसई- पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के लिए 1.6 लाख से अधिक छात्रों ने किया आवेदन

न्यूनतम 28

मौसम जम्मू

अधिकतम 42

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-140 | जम्मू तवी, मंगलवार 09 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई बदलाव देखे हैं : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, 8 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपनी सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में किए गए विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत ने अनेक परिवर्तन देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों का कल्याण रहा है।अपने तीसरे कार्यकाल के दूसरे वर्ष के पूरा होने के अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलों का उद्देश्य लोगों को सम्मान और अवसर उपलब्ध कराना रहा है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक परिवर्तन देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों तथा वंचित वर्गों का कल्याण रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हमेशा 'अंत्योदय' की भावना से

> पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक परिवर्तन देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों तथा वंचित वर्गों का कल्याण रहा है।

प्रेरित रही है और प्रयास यह सुनिश्चित करने का रहा है कि विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचे जो दशकों तक इससे वंचित रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह संतोष की बात है कि गरीबों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

#vwYearsOfGaribKalyan के साथ साझा किए गए अपने संदेश में उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और डिजिटल मंचों के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा, इससे भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई है, कार्यकुशलता बढ़ी है और शासन व्यवस्था में लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। इसी प्रकार 'गरीब कल्याण' की यात्रा मानव सशक्तिकरण और विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में एक जन आंदोलन बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के बाद 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी, जबकि उनका दूसरा कार्यकाल 30 मई 2019 से शुरू हुआ था।

आगामी अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं : मुख्य सचिव डुल्लू

जम्मू, 8 जून। आगामी अमरनाथ यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारियों का प्रयास है कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को पिछले साल की तुलना में अधिक बेहतर सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने सोमवार को दी।

उन्होंने विश्वास जताया कि 57 दिनों तक चलने वाली इस पवित्र यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुगम और आरामदायक अनुभव प्राप्त होगा। यह यात्रा दक्षिण कश्मीर हिमालय क्षेत्र में 3 जुलाई से शुरू होगी और रक्षाबंधन के पर्व के साथ 28 अगस्त को संपन्न होगी।

मुख्य सचिव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी। जैसा कि

आप जानते हैं, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था, परिवहन, सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न पहलुओं पर काम किया जा रहा है। यात्रा के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने सोमवार को दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 57 दिनों तक चलने वाली इस पवित्र यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और आरामदायक अनुभव मिलेगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में यह यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को रक्षा बंधन के पर्व के साथ संपन्न होगी। मुख्य सचिव ने कहा कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी। पत्रकारों से बातचीत में डुल्लू ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, श्रद्धालुओं के ठहरने की सुविधा, परिवहन, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न पहलुओं पर काम किया जा रहा है। यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की यात्रा के दौरान उपलब्ध सुविधाओं से बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयास जारी हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जाएंगी।

खबर संक्षेप

एलओसी के पास मिले तीन मोर्टार गोले, सुरक्षित निष्क्रिय किए गए

जम्मू, 8 जून। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सोमवार को दो अलग-अलग स्थानों से तीन मोर्टार गोले बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, दो मोर्टार गोले झांगर वन क्षेत्र में पाए गए, जबकि एक अन्य मोर्टार गोला नौशेरा सेक्टर के मकड़ी गांव के एक सुनसान स्थान पर सुबह के समय मिला।

उन्होंने बताया कि सेना के बम निरोधक दस्ते ने तीनों मोर्टार गोलों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया।

एक अन्य घटना में, सोमवार को सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट ढाकी नाला क्षेत्र से पुलिस ने पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) के चिन्ह वाला हवाई जहाज के आकार का एक गुब्बारा बरामद किया।

अधिकारियों ने बताया कि सफेद और हरे रंग का यह गुब्बारा स्थानीय ग्रामीणों की नजर में आया, जिसके बाद स्थानीय पुलिस थाने की एक टीम ने उसे अपने कब्जे में ले लिया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के गुब्बारे अक्सर सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में बहकर आ जाते हैं और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांवों से समय-समय पर बरामद होते रहते हैं।

दो मादक पदार्थ तस्करों की लगभग 4 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां जब्त

श्रीनगर, 08 जून । नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही अपनी निरंतर कार्रवाई को जारी रखते हुए श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत दो मादक पदार्थों के तस्करों की लगभग 4 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है।

संगम पुलिस स्टेशन ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 14/2026 के संबंध में गुलाम मोहम्मद डार पुत्र गुलाम अहमद डार की लगभग 3 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं। जब्त की गई संपत्तियों में एक आवासीय मकान, जमीन और व्यवसायिक दुकानें शामिल हैं। जांच में यह स्थापित हुआ कि ये संपत्तियां मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त धन से अर्जित की गई थीं। एक अलग कार्रवाई में नौहट्टा पुलिस स्टेशन ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 09/2018 के संबंध में मोहम्मद शफी शेख पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद सुभान शेख की लगभग 1 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्ति जब्त की। यह संपत्ति मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति के रूप में पहचानी गई थी। अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से प्राप्त संपत्तियों को छिपाने, हस्तांतरित करने या बेचने से रोकने के लिए एनडीपीएस अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत कुर्की की गई।

लद्दाख से 5 गंभीर मरीजों को एयरलिफ्ट कर चंडीगढ़ पहुंचाया गया, इनमें 3 सेना के जवान शामिल

नई दिल्ली, 8 जून। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने सोमवार को बताया कि लद्दाख से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर चंडीगढ़ पहुंचाया गया है। इनमें भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान (डब्ल्यूएसी) ने यह भी बताया कि वर्ष 2026 के दौरान केवल लद्दाख सेक्टर में ही हताहत निकासी (केसिवैक) अभियानों के माध्यम से 143 लोगों की जान बचाई गई है। पश्चिमी वायु कमान ने लद्दाख से संचालित इस महत्वपूर्ण चिकित्सा निकासी अभियान का विवरण साझा किया, जिसे कठिन ऊंचाई वाले इलाके और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के बावजूद सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

पोस्ट में कहा गया, भारतीय वायु सेना ने लद्दाख से एक महत्वपूर्ण चिकित्सा निकासी (मेडिवैक) मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस मिशन के तहत खतरनाक रूप से बीमार सूची (डीआईएल) में शामिल पांच मरीजों को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए चंडीगढ़ एयरलिफ्ट किया गया। मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, एक आश्रित सदस्य तथा एक लद्दाखी नागरिक शामिल थे।

भारतीय वायु सेना ने इस चिकित्सा निकासी अभियान की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

वायु सेना ने कहा, कठिन ऊंचाई वाले क्षेत्र और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के बावजूद, आईएएफ के सी-17 और एएन-32 विमानों ने मरीजों की त्वरित, सुरक्षित और समय पर निकासी सुनिश्चित की।

पोस्ट में आगे कहा गया, **यह मिशन जीवन बचाने और आपातकालीन परिस्थितियों में आशा प्रदान करने के प्रति भारतीय वायु सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। #भारतीयवायुसेना - हर जीवन महत्वपूर्ण है, हर पुकार का उत्तर दिया जाता है। वर्ष 2026 के दौरान केवल लद्दाख सेक्टर में ही केसिवैक अभियानों के माध्यम से 143 लोगों की जान बचाई गई है। डेंजरसली इल लिस्ट (डीआईएल) एक चिकित्सीय वर्गीकरण है, जिसके अंतर्गत ऐसे मरीजों को रखा जाता है जिनकी स्थिति अत्यंत गंभीर और अस्थिर होती है तथा जिनके स्वास्थ्य में अचानक और तेजी से गिरावट आने या मृत्यु की आशंका बहुत अधिक होती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) की वेबसाइट के अनुसार, ऐसे मरीजों को तत्काल और विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है।

उपराज्यपाल ने जम्मू के मुबारक मंडी विरासत परिसर में स्थित ऐतिहासिक मंदिर का किया दौरा

जम्मू, 08 जून । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू के मुबारक मंडी विरासत परिसर में स्थित ऐतिहासिक गदा दारी मंदिर का दौरा किया और सदियों पुराने इस मंदिर को हुए नुकसान का जायजा लिया। दौरे के दौरान, उपराज्यपाल ने नुकसान की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को इस ऐतिहासिक संरचना के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की रक्षा करने और मंदिर के मूल स्थापत्य स्वरूप को बनाए रखते हुए जीर्णोद्धार कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अधिकारियों ने उपराज्यपाल को नुकसान के कारणों और प्रस्तावित जीर्णोद्धार योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रशासन और कार्यकारी एजेंसियों को आवश्यक संरक्षण प्रयासों में तेजी लाने और ऐतिहासिक स्थल की आगे की क्षति को रोकने का निर्देश दिया। मुबारक मंडी परिसर में स्थित गदा दारी मंदिर का ऐतिहासिक और

धार्मिक महत्व बहुत अधिक है और इसे जम्मू की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग माना जाता है।मुबारक मंडी विरासत परिसर के बाहर स्थित लगभग 200 साल पुराने गदाधर मंदिर की दीवार का एक हिस्सा 4 जून को बारिश के बाद ढह गया, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई, जिन्होंने इस ढहने का कारण मंदिर के पास चल रहे उत्खनन और जीर्णोद्धार कार्य को बताया। संवाददाताओं से बात करते हुए, डुल्लू ने कहा कि विरासत परिसर में 11 इमारतों का नवीनीकरण चल रहा है, जिसमें नौ से दस परियोजनाओं के मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। तवी नदी के सामने पुराने किलेबंद शहर के मध्य में स्थित मुबारक मंडी, 1925 तक डोगरा राजवंश के शासकों का शाही निवास था, इससे पहले अंतिम महाराजा जम्मू के उत्तरी भाग में हरि निवास महल में चले गए थे। 2005 में, मुबारक मंडी को एक संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और बाद में अगले साल मुबारक मंडी जम्मू हेरिटेज सोसायटी का गठन किया गया था ताकि इसके संरक्षण, परिरक्षण, रखरखाव और जीर्णोद्धार कार्यों के लिए परिसर का अधिग्रहण किया जा सके। इसके संरक्षण के लिए पहला विजन दस्तावेज़ इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज द्वारा 2008 में तैयार किया गया था और एक व्यापक मास्टर प्लान बाद में 2019 में तैयार और अनुमोदित किया गया था। मुख्य रूप से, परिसर को छह क्षेत्रों में बांटा गया है, सार्वजनिक क्षेत्र, ज्ञान केंद्र, व्याख्या और संग्रह गैलरीज, जीवन शैली, अनुभवात्मक स्थान और शिल्प बाजार।

लद्दाख प्रशासन ने तीन निजी सचिवों के तबादले और तैनाती के आदेश तत्काल प्रभाव से दिए

जम्मू, 08 जून। लद्दाख प्रशासन ने प्रशासनिक हित में तीन निजी सचिवों के तबादले और तैनाती के आदेश तत्काल प्रभाव से दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पद्मा यांगचान का तबादला स्कूल शिक्षा सचिव के कार्यालय से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय लद्दाख में कर दिया गया है। मोहम्मद हुसैन जो केंद्र शासित प्रदेश सचिवालय लेह में मुख्य सचिव के कार्यालय में कार्यरत थे को राजस्व आयुक्त/सचिव के कार्यालय में कार्यवाहक सचिव के रूप में तैनात किया गया है।

शबीर हुसैन का तबादला उपराज्यपाल सचिवालय लेह से मुख्य निर्वाचन अधिकारी/खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव के कार्यालय में कर दिया गया है।

इन तबादलों के परिणामस्वरूप जिगमेट आंगचुक

जीएमसी राजौरी में उपचार के दौरान महिला की मौत, दो स्वास्थ्यकर्मियों को किया निलंबित

राजौरी, 08 जून । सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी में डिलीवरी के बाद एक महिला की मौत के मामले में अस्पताल प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। मृतका की पहचान नुसरत जहां निवासी कोटरंका के रूप में हुई है। महिला की मौत के बाद परिजनों ने कथित तौर पर गलत इंजेक्शन लगाए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों के अनुसार महिला की डिलीवरी करीब तीन दिन पहले जी.एम.सी. राजौरी में हुई थी। उनका आरोप है कि डिलीवरी के बाद लगाए गए एक इंजेक्शन के पश्चात महिला की हालत अचानक बिगड़ गई। स्थिति गंभीर होने पर उसे आई.सी.यू. में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया जहां पिछले दो दिनों से उसका उपचार चल रहा था। सोमवार सुबह उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नई जांच समिति का गठन किया है। जी.एम.सी. राजौरी के प्रिंसिपल डॉ. ए.एस. भाटिया ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही जांच पूरी होने तक दो स्वास्थ्यकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी चिकित्सीय और प्रशासनिक पहलुओं की गहन जांच की जाएगी। यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिला की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

भारत और चीन को प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी साझेदार के रूप में देखना चाहिए : बीजिंग

बीजिंग, 8 जून। चीन ने सोमवार को कहा कि भारत और चीन को इस सही रणनीतिक समझ पर कायम रहना चाहिए कि दोनों देश प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और एक-दूसरे के विकास के लिए अवसर हैं, खतरा नहीं।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में यह टिप्पणी की। उनसे व्लादिमीर पुतिन द्वारा चीन-भारत संबंधों तथा दोनों देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने के संबंध में की गई टिप्पणियों पर सवाल पूछा गया था।

लिन जियान ने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत सीमा की स्थिति सामान्य रूप से स्थिर है और दोनों पक्षों के बीच संवाद का माध्यम सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा, चीन और भारत को इस समझ पर कायम रहना चाहिए कि दोनों देश प्रतिस्पर्धी या प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं तथा दोनों एक-दूसरे के विकास के लिए अवसर हैं, खतरा नहीं। उन्होंने आगे कहा, दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक दृष्टिकोण और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखना और संभालना चाहिए, आपसी विश्वास बढ़ाना चाहिए, सहयोग का विस्तार करना चाहिए, मतभेदों का उचित समाधान करना चाहिए तथा चीन-भारत संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को बढ़ावा देना चाहिए। पाकिस्तान के साथ चीन के घनिष्ठ संबंधों को लेकर भारत की चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए लिन जियान ने कहा कि बीजिंग भारत और पाकिस्तान दोनों का समर्थन करता है ताकि वे संवाद और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों का समाधान करें तथा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखें।

आईजीपी कश्मीर ने श्रीअमरनाथजी यात्रा और मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जम्मू, 08 जून। आईजीपी कश्मीर जोन, वी.के. बर्डी-आईपीएस ने पीसीआर कश्मीर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक बैठक के दौरान कश्मीर घाटी में अमरनाथजी यात्रा (एसएएनजेवाई-2026) और मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में कश्मीर जोन के सभी रेंज डीआइजी, एसएसपी पीसीआर कश्मीर, अनंतनाग, श्रीनगर गांदरबल, कुलगाम, पुलवामा, बारामूला, कुपवाड़ा, शोपियां, बांदीपोरा, बडगाम, सोपोर, हंदवाड़ा और अवंतीपोरा के एसएसएसपी, एसओ से आईजीपी कश्मीर, एसपी कार्गो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने श्री अमरनाथजी यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा व्यवस्था, रसद आवश्यकताओं और जिलेवार तैयारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी

प्रस्तुत की। चर्चा तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और तीर्थयात्रा मार्गों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए उपायों पर केंद्रित थी। समग्र सुरक्षा ढांचे की समीक्षा करते हुए आईजीपी कश्मीर ने एसओपी के कड़ाई से पालन और सभी एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय के महत्व पर जोर दिया। वी.के. बर्डी ने अधिकारियों को एक अच्छी तरह से समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से परिचालन चुनौतियों, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य अप्रत्याशित स्थितियों सहित किसी भी आकस्मिकता के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए वी.के. बर्डी ने आरओपी की तैनाती रणनीति और तैयारियों का आकलन किया। आईजीपी कश्मीर ने बढ़ी निगरानी, नियमित क्षेत्र प्रभुत्व और यात्रा मार्गों के साथ राजमार्गों और संवेदनशील हिस्सों की निरंतर निगरानी का आह्वान किया। अधिकारियों को रात के समय सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़ी सतर्कता बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया। आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों को मौजूदा एसओपी का परीक्षण करने और जहां भी आवश्यक हो परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्देश दिया। आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों को सभी यात्रा शिविरों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जिसमें प्रमुख स्थानों पर निगरानी प्रणाली की स्थापना और तीर्थयात्रियों की आवाजाही को प्रबंधित करने और आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त जनशक्ति की तैनाती शामिल है।

सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंतत- डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकट्ठा होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंतत- लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख हैं डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

जांचे

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियत्रंण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकट्ठा होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फैक्चर का सटीक इलाज

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

बसोहली में एनडीआरएफ द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन

बसोहली, 08 जून (हि.स.)। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा बसोहली में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

13वीं बटालियन एनडीआरएफ के सब-इंस्पेक्टर कमल सिंह के नेतृत्व में एएसआई रविकांत और एएसआई पवन कुमार ने आम जनता को आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने आग लगने की स्थिति में बचाव, गैस सिलेंडर में आग बुझाने, डूबते व्यक्ति को बचाने, हृदयाघात की स्थिति में प्राथमिक सहायता देने तथा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आत्म-सुरक्षा के उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि एडीसी बसोहली ने अपने संबोधन में कहा कि एनडीआरएफ द्वारा दी गई जानकारी अत्यंत उपयोगी है जिससे किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने में मदद मिलती है।

उन्होंने बताया कि स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो चुके हैं और एनडीआरएफ से आग्रह किया कि अवकाश के बाद बसोहली उप-जिले के स्कूलों में भी ऐसे जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं ताकि छात्र और स्कूल प्रबंधन भी इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में तहसीलदार सागर विश्वकर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, पूर्व बीडीसी अध्यक्ष सुषमा जम्वाल, सरपंच, वार्ड सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

भारतीय कला संगम ने आयोजित की डोगरी लोक संगीत कार्यशाला

जम्मू, 08 जून (हि.स.)। भारतीय कला संगम (बीकेएस) जम्मू ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से रेपर्टरी अनुदान योजना के तहत राजकीय उच्च विद्यालय, रायपुर सतवारी में डोगरी लोक संगीत कार्यशाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और डोगरी लोक संगीत एवं संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इस अवसर पर भारतीय कला संगम के अध्यक्ष टी.आर. शर्मा (सेवानिवृत्त केएएस) ने कहा कि संस्था वर्ष 1980 से डोगरा क्षेत्र की डोगरी भाषा, लोक संगीत और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले चार दशकों में संस्था ने डोगरी लोक नृत्य, संगीत, साहित्यिक कार्यक्रमों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों के सम्मान समारोह आयोजित किए हैं। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इससे डोगरी भाषा और संस्कृति के प्रचार के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन संभव हो

पाया है।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने भारतीय कला संगम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को संगीत एवं गायन की बुनियादी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों की प्रस्तुतियों की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कला संगम की अध्यक्ष वैष्णो देवी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान तिलक राज टगोत्रा, मरीना जम्वाल, रवि रघुवंशी और दीपक सहित अन्य कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अंत में संस्था के निदेशक रमेश सिंह चिब ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संस्कृति मंत्रालय और शिक्षा विभाग का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मंत्री जाविद डार ने बडगाम और सुंबल में मुहर्रम तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 8 जून। आगामी मुहर्रम-उल-हराम 2026 के मद्देनजर मंत्री जाविद अहमद डार ने सुंबल (बांदीपोरा) और बडगाम जिलों में अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं।

सुंबल में बैठक में विधायक सोनावरी हिलाल अकबर लोन, डीसी बांदीपोरा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त बांदीपोरा ने बिजली, पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य, सड़क और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था की तैयारियों की जानकारी दी।

मंत्री ने सभी विभागों को समय पर व्यवस्था पूरी करने और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से इमामबाड़ों, धार्मिक स्थलों और जुलूस मार्गों पर साफ-सफाई पर जोर दिया।

बाद में बडगाम में समीक्षा बैठक में उपायुक्त बडगाम ने तैयारियों की जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि सरकार मुहर्रम के शांतिपूर्ण और सुचारु आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बैठक में विधायक चडूरा, बडगाम और खानसाहिब भी उपस्थित रहे।

एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, निकाली 'गैस सिलेंडर शव यात्रा'

जम्मू, 08 जून (हि.स.)। रसोई गैस सहित आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में जिला जम्मू ग्रामीण कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता नीरज कुंदन के नेतृत्व में अखनूर में गैस सिलेंडरों की प्रतीकात्मक 'शव यात्रा' निकाली। प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए महंगाई को आम जनता पर बढ़ता बोझ बताया।

कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस के प्रत्याशी अशोक भगत और अखनूर प्रभारी कुलदीप शर्मा की देखरेख में किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, महिलाओं, युवाओं और स्थानीय लोगों ने इसमें भाग लिया। प्रदर्शनकारी काले कपड़े से ढके खाली गैस सिलेंडर लेकर मुख्य बाजार से निकले और बाद में एक जनसभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए नीरज कुंदन ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने से पहले रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम करने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे लेकिन आज एलपीजी सिलेंडर की कीमतें पहले की तुलना में कहीं अधिक हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है तथा लोगों के लिए घरेलू खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। नीरज कुंदन ने कहा कि यह शव यात्रा केवल गैस सिलेंडरों की नहीं बल्कि जनता से किए गए वादों की भी प्रतीकात्मक शव यात्रा है। उन्होंने रसोई गैस पर पर्याप्त सब्सिडी बहाल करने और कीमतों में तत्काल कमी करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने पेट्रोल, डीजल और खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का मुद्दा भी उठाया। कार्यक्रम के अंत में गैस सिलेंडरों का प्रतीकात्मक दफन किया गया तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आम लोगों के अधिकारों और महंगाई के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

हीरानगर में जनगणना तैयारियों का निरीक्षण, सटीक आंकड़ों पर जोर

कठुआ, 08 जून (हि.स.)। जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी कठुआ सिद्धार्थ आनंद ने उप-मंडल हीरानगर के अंतर्गत चल रहे फील्ड कार्यों का निरीक्षण किया। उनके साथ उप-मंडल जनगणना अधिकारी एवं एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मेला गांव और नगर समिति हीरानगर में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने फील्ड कर्मचारियों से बातचीत कर कार्य की गुणवत्ता और सटीकता का आकलन किया तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

श्री अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले कठुआ में हाई अलर्ट- एसएसपी मोहिता शर्मा ने सुरक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

कठुआ, 08 जून (हि.स.)। आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को सुरक्षित और सफल बनाने के उद्देश्य से कठुआ पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने जिला पुलिस लाइन कठुआ में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ संयुक्त 卐सिक्योरिटी रिव्यू कम कोऑर्डिनेशन मीटिंग卐 की अध्यक्षता की।

बैठक में पुलिस, सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, इंटेलिजेंस एजेंसियों और सिविल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान एसएसपी ने यात्रा के लिए बनाए गए सुरक्षा प्लान, निगरानी तंत्र, काफिला प्रबंधन, क्विक रिएक्शन टीम की तैनाती और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। एसएसपी ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए यात्रा के दौरान अधिकतम सतर्कता, सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन और श्रद्धालुओं के प्रति सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंगर स्थलों, ठहरने के स्थानों और यात्रा से जुड़े अन्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने खुफिया तंत्र को और मजबूत बनाने, सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा बॉर्डर नेशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर 24म7 निगरानी, नाका चेकिंग और क्षेत्रीय गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने यह भी निर्देश दिए कि हाईवे, होटल, ढाबों और फैक्ट्री क्षेत्रों में जनगणना व किरायेदार सत्यापन अभियान को तेज किया जाए ताकि किसी भी असामाजिक या राष्ट्रविरोधी तत्व की मौजूदगी को रोका जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए ड्रोन निगरानी, एक्स-रे मशीनों की स्थापना और डॉग स्क्वॉड द्वारा एंटी-सबोटाज जांच को बढ़ाने पर भी बल दिया गया। बेस कैंप लखनपुर सहित सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि यात्रा के मिनी काफिलों की सुरक्षा और प्रबंधन को और बेहतर बनाया जाए तथा सभी प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखी जाए।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से हालात बेकाबू, बीमारी का खतरा मंडराया, प्रशासन बेबस

कठुआ, 08 जून (हि.स.)। नगर परिषद कठुआ के सफाई कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर जारी हड़ताल सोमवार को 14वें दिन भी जारी रही जिसके चलते पूरे शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हालात यह हैं कि शहर के मुख्य चौक चौराहों से लेकर वार्डों तक कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लग चुके हैं और कूड़ा अब डस्टबिन से बाहर निकलकर सड़कों पर फैल रहा है। भीषण गर्मी के बीच सड़ते कचरे से उठती बदबू और गंदगी ने शहरवासियों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। हल्की हवा चलते ही प्लास्टिक और कचरा दुकानों व घरों तक पहुंच रहा है जिससे लोगों में बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। कई स्थानों पर नाले और नालियां कचरे से जाम हो चुके है जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में भी म्यूनिसिपल कमेटी के सफाई कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं। यहां से गुजरने वाले बाहरी यात्रियों का स्वागत पिछले दो हफ्तों से गंदगी के बीच हो रहा है जो प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगें पूरी तरह जायज हैं, जिनमें नियमितीकरण (स्थाई करना), वेतन वृद्धि और खाली पदों को भरना शामिल है। कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। इस बीच स्थानीय लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। गंदगी के कारण मच्छरों और संक्रमणजनित बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो शहर में स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है। जुलाई माह से शुरू होने वाली बाबा अमरनाथ यात्रा को देखते हुए भी यह स्थिति प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। यात्रा के सुचारू संचालन के लिए साफ-सफाई व्यवस्था बेहद जरूरी है लेकिन मौजूदा हालात में यह एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने रोकी गई ढाई दिन की तनख्वाह पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की

जम्मू,, 08 जून (हि.स.)। जम्मू में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने ढाई दिन का वेतन रोके जाने के विरोध में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

कर्मचारियों का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन के छह महीने बीत जाने के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं निकाला गया है।

प्रेस वार्ता के दौरान कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से लंबित वेतन संबंधी समस्या का शीघ्र समाधान करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे दोबारा हड़ताल शुरू करने को मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

रोहित गुप्ता बने एनएटीएफ जम्मू के राज्य सचिव

जम्मू, 8 जून। राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा (एनएटीएफ) इंडिया ने वर्ष 2026-2027 के लिए अपनी राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला समितियों के गठन की घोषणा की है। नवगठित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश कार्यकारिणी में रोहित गुप्ता को राज्य सचिव नियुक्त किया गया है।

एनएटीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विशाल चोपड़ा द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, इन नियुक्तियों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की स्वीकृति प्राप्त है।

संगठन ने बताया कि इन समितियों का गठन आतंकवाद के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।

अधिसूचना में संगठनात्मक अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए कहा गया है कि यदि कोई सदस्य अनुचित गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है या अपने पद का दुरुपयोग करता है, तो उसकी सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएगी तथा उसके

विरुद्ध कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।एनएटीएफ के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि देशभर में राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर की शेष समितियों के सदस्यों की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी।

कठुआ में फ्लोरीकल्चर विकास को लेकर विधायक की पहल

कठुआ, 08 जून (हि.स.)। कठुआ के विधायक डॉ. भरत भूषण ने सोमवार को फ्लोरीकल्चर विभाग जम्मू के निदेशक नागेंद्र सिंह जम्वाल से मुलाकात कर जिले में फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान विधायक ने निदेशक को अवगत कराया कि कठुआ स्थित ड्रीमलैंड पार्क और जनाना पार्क के विकास की सख्त आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इन पार्कों में विभाग द्वारा लगाए गए बच्चों के खेल उपकरण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिन्हें शीघ्र मरम्मत कर पुनः चालू किया जाना चाहिए। इसके अलावा दोनों पार्कों में अधिक बैठने के लिए बेंच लगाने, टूटी बेंचों की मरम्मत करने तथा म्यूजिकल फाउंटेन को

पुनः चालू करने की भी जरूरत है।

विधायक ने जंग्लोटे स्थित फ्लोरीकल्चर विभाग द्वारा विकसित पार्क के पुनर्विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने वहां बैठने के लिए बेंच और बच्चों के खेल उपकरण स्थापित करने की मांग की। साथ ही वार्ड नंबर-14 कठुआ में बाबा बंदा बहादुर पार्क के विकास की भी वकालत की। निदेशक फ्लोरीकल्चर नागेंद्र सिंह जम्वाल ने विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दों की सराहना करते हुए ड्रीमलैंड पार्क, जनाना पार्क और जंग्लोटे पार्क में आवश्यक कार्य जल्द कराने का आश्वासन दिया।

डॉ. विकास शर्मा को मिला इनोवेटर अवार्ड 2026

जम्मू। छन्नी हिम्मत, जम्मू निवासी डॉ. विकास शर्मा, जो श्री हरबंस लाल शर्मा एवं श्रीमती पुष्पलता शर्मा के सुपुत्र हैं, को कृषि, पशु चिकित्सा एवं पारिस्थितिकी विज्ञान के समेकित विकास हेतु कार्यरत संस्था (सिडावेस) द्वारा प्रतिष्ठित इनोवेटर अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. विकास शर्मा को यह सम्मान जैव रसायन विज्ञान (बायोकेमिस्ट्री) के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान, विशेष रूप से पारंपरिक औषधीय पौधों एवं लघु फलों से कैंसररोधी अणुओं के पृथक्करण एवं विशेषताओं के अध्ययन संबंधी शोध कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार 05 जून 2026 को सिडावेस के अध्यक्ष डॉ. जे. पी. शर्मा तथा स्कूस्ट-कश्मीर की निदेशक प्रसार शिक्षा

डॉ. रेहाना हबीब द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान सिडावेस के चौथे वार्षिक अधिवेशन के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन टेक्नोलॉजिकल इंटीग्रेशन्स (टीआईसी-26)卐 में दिया गया, जिसका आयोजन स्कूस्ट-कश्मीर के शालीमार परिसर, श्रीनगर में किया गया था।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के 9 विभिन्न राज्यों से 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वर्तमान में डॉ. विकास शर्मा स्कूस्ट-जम्मू के जैव रसायन विज्ञान विभाग, खाद्य विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी संकाय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अब तक 10 पीएच.डी. तथा 7 एम.एससी. विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन किया है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने जम्मू क्षेत्र की औषधीय वनस्पतियों के उपयोग के प्रति आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रमुख समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में 128 लोकप्रिय लेख प्रकाशित किए हैं। साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं में उनके 104 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. विकास शर्मा की यह उपलब्धि न केवल स्कूस्ट-जम्मू बल्कि पूरे जम्मू क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION BASOHLI

Corrigendum for Date extend

Sub: NIT S.No.1- Providing Structural and Architectural consultancy for Construction of Food Store building at Plahi (Basohli).
NIT S.No.2- Providing Structural and Architectural consultancy for Construction of Veterinary Dispensary at Dhar-Mahanpur
Reference: e-NIT No. 19 of 2026-27 dated 30-05-2026.
Due to poor response, the above noted works of above referred NIT are hereby extended.

Please read	Instead of
Period of downloading Tender documents from 1855 Hrs on 30-05-2026 to 09-06-2026 upto 1600 hrs.	Period of downloading Tender documents from 1855 Hrs on 30-05-2026 to 05-06-2026 upto 1600 hrs.
Deadline for Receiving Bids from 1000 Hrs on 31-05-2026 to 09-06-2026 upto 1600 Hrs	Deadline for Receiving Bids from 1000 Hrs on 31-05-2026 to 05-06-2026 upto 1600 Hrs
Time and date for opening Technical Bids on 10-06-2026 upto 1200 Hrs.	Time and date for opening Technical Bids on 06-06-2026 upto 1200 Hrs.
Place : Executive Engineer PWD (R&B) Division Basohli	Place : Executive Engineer PWD (R&B) Division Basohli
Time Date of and opening Financial Bid Shall be communicated.	Time Date of and opening Financial Bid Shall be communicated.

All other terms and conditions shall remain the same as already advertised from this office NIT referred above.
No.2263-65 Dated: 05-06-2026

DIP/J-3296/26
Dtd: 8-6-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Basohli

संपादकीय

ज्यादा जरूरी है अमल

यह अच्छी बात है कि जम्मू-कश्मीर परिवहन विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश में चलने वाले सभी सार्वजनिक सेवा वाहनों में महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सीटें आरक्षित करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

साथ ही नियमों के उल्लंघन पर परमिट निलंबन या रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि ऐसा आदेश पहले से ही जम्मू-कश्मीर में लागू था, कमी सिर्फ उसके सही तरीके से अमल की थी। अब सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि महिलाओं और दिव्यांग लोगों को स्थानीय यात्रा के दौरान उनके अधिकार दिलाने के लिए इस नए सिरे से जारी आदेश को पूरी गंभीरता से लागू किया जाए।

दिलचस्प बात यह है कि संबंधित अधिकारी भी नियमों की मौजूदा स्थिति से भली-भांति परिचित हैं। परिवहन आयुक्त द्वारा जारी सर्कुलर में साफ तौर पर कहा गया है कि महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सीट आरक्षण संबंधी पहले के निर्देशों को परमिट धारकों और वाहन संचालकों द्वारा ठीक से लागू नहीं किया जा रहा था, जिससे लाभार्थियों को परेशानी और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

इस तथ्य को देखते हुए जरूरी है कि नए आदेश जारी करने के बजाय उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर ज्यादा ध्यान दिया जाए। हालांकि, संबंधित विभाग द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है और सभी हितधारकों को आदेश का पूरी तरह पालन करना चाहिए ताकि जम्मू-कश्मीर में सार्वजनिक परिवहन महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बन सके।

पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन निर्देशों को बिना किसी भेदभाव और विचलन के पूरी तरह लागू किया जाए। सर्कुलर के अनुसार बड़ी बसों में सीट नंबर 1 से 12 और मध्यम एवं मिनी बसों में सीट नंबर 1 से 9 तक महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से आरक्षित रहेंगी। इसके अलावा वाहन चालकों और परिचालकों को बिना किसी अपवाद के इन नियमों को लागू कराने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार बनाया गया है।

परिवहन विभाग ने मोटर वाहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस सहित सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे बस अड्डों, ट्रांजिट प्वाइंट्स और नियमित वाहन जांच के दौरान लगातार निरीक्षण और विशेष अभियान चलाकर इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। सर्कुलर में चेतावनी दी गई है कि नियमों का उल्लंघन मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 192ए के तहत कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करेगा, जो परमिट शर्तों के उल्लंघन से संबंधित है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए भी यह जरूरी है कि वे सार्वजनिक परिवहन में ऐसी संस्कृति विकसित करें, जिसमें आरक्षित सीटें भर जाने की स्थिति में भी महिलाएं और दिव्यांग व्यक्ति सम्मानपूर्वक सीट पा सकें। पुराने समय में जम्मू-कश्मीर की बसों में महिलाएं या दिव्यांग व्यक्ति खड़े होकर यात्रा नहीं करते थे, क्योंकि सहयात्री बिना किसी नियम की जानकारी के भी अपनी सीट उन्हें दे देते थे।

अंत में, इस मुद्दे पर जमीन पर वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि नए निर्देशों को पूरी निष्ठा और भावना के साथ लागू किया जाए।

कृत्रिम मादक पदार्थ फेंटानिल ड्रग आपूर्ति नेटवर्क पर प्रहार

चार्वी अरोड़ा, अमेरिकी राजदूतावास, नई दिल्ली

दक्षिण एशियाई हाट स्पाट- तापमान के प्रभाव और जीवर स्तर का परिवर्तन शीर्षक की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन से 2050 तक भारत की जीडीपी को 2.8 प्रतिशत की क्षति हो सकती है। रिपोर्ट का मन्तव्य साफ है। बढ़ते तापमान से ऋतु चक्र अव्यवस्थित होगा। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा होगा। सूखा, बाढ़ और तूफान बढ़ सकते हैं। कृषि को नुकसान होगा। मानव जीवन अव्यवस्थित होगा। एनएसबीसी बैंक ने भी दक्षिण एशिया में भारत को सबसे ज्यादा नुकसान वाला क्षेत्र बताया था।

दशकों से मादक पदार्थों के खिलाफ प्रयास काफी हद तक परिचित तरीकों का पालन करते रहे हैं। अधिकारी फसलों पर नजर रखते थे, तस्करी गलियारों की निगरानी करते थे, खेपों को रोकते थे और सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले समूहों को निशाना बनाते थे। फेंटानिल ने इस मॉडल को बदल दिया है।

हेरोइन या कोकीन जैसे पौधों से प्राप्त मादक पदार्थों के विपरीत, फेंटानिल एक कृत्रिम मादक पदार्थ है जो दोहरे उपयोग वाले रासायनिक पदार्थों पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जिनकी वैध दवा और औद्योगिक बाज़ारों में भी आपूर्ति होती है। इस बदलाव ने एक राष्ट्रीय संकट को जन्म दिया है। कृत्रिम ओपिओइड, मुख्य रूप से फेंटानिल, अमेरिका में सभी ओवरडोज से होने वाली मौतों में से 60 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं, जिससे सालाना लगभग 48,000 लोगों की जान जाती हैं। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी बेहद घातक हो सकती है। अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली में तैनात अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के एक अधिकारी के अनुसार, महज दो मिलीग्राम की मात्रा भी घातक हो सकती है।

नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में तैनात होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन (एचएसआई) के एक अधिकारी ने कहा, हम एक ऐसे पदार्थ का सामना कर रहे हैं जिसका निर्माण लगभग कहीं भी, अत्यधिक सांद्र रूपों में किया जा सकता है और उसी वैश्विक व्यापार, वित्तीय और संचार प्रणालियों के माध्यम से इसका परिवहन किया जा सकता है जो वैध व्यापार में मदद करती हैं। एचएसआई अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की प्रमुख जांच शाखा है।

इससे कार्रवाई योग्य सूचनाओं, जांच के सुरागों और संभावित निशानों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है, जिसके कारण सीमा, वित्तीय, साइबर और अंतरराष्ट्रीय तौरतरीकों को एक समन्वित दृष्टिकोण में एकीकृत करना आवश्यक हो गया है।

इस वास्तविकता ने फेंटानिल के खतरे से निपटने के अमेरिकी कानून पर अमल के तरीके को बदल दिया है। एजेंसियां अब तेजी से मादक पदार्थों से जुड़े रसायनों की श्रृंखलाओं की पहचान करने, वित्तीय और माल आवाजाही नेटवर्क का मानचित्रण करने, डिजिटल संचार का विश्लेषण करने और अमेरिकी समुदायों तक मादक पदार्थों के पहुंचने से पहले तस्करी प्रणालियों को बाधित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

एचएसआई अधिकारी का कहना है, हमारा काम छिटपुट जब्ती करने के बजाय, व्यवस्थित रूप से उन संगठनों और मददगारों की पहचान करने और उन्हें खत्म करने पर केंद्रित है जो इनके पीछे हैं।

इस व्यवस्थित दृष्टिकोण को पता लगाओ और हराओ नामक विधायी प्रस्तावों का समर्थन प्राप्त है, जिनका उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला में डेटा एकत्र करने और साझा करने की अधिकारियों की क्षमता का विस्तार करना है।

फेंटानिल की तस्करी के मुख्य मार्गों में प्रवेश बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय डाक और एक्सप्रेस खेपें और समुद्री सीमाए शामिल हैं। सीबीपी अधिकारी का कहना है, छिपाने के तरीके विविध हैं, जिनमें व्यक्तियों द्वारा वाहनों में गुप्त डिब्बों में छिपाना, वैध कार्गो के भीतर छुपाना या गलत लेबल वाले छोटे पार्सल में छुपाना शामिल है।

एचएसआई अधिकारी का कहना है, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन उन बिंदुओं पर सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं जहां उन्हें वैध प्रणालियों - वैश्विक व्यापार, वित्त, यात्रा, संचार और वस्तुओं और लोगों की भौतिक आवाजाही- के साथ जुड़ना पड़ता है। एजेंसी उभरती कमजोरियों की पहचान करने और जांच अधिकारियों, उन्नत विश्लेषण और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का उपयोग करके दबाव डालने के लिए इन अंतर-संबंधों का लगातार आकलन करती है।

इस बीच सीबीपी आपूर्ति श्रृंखला में उच्च जोखिम वाले माल और यात्रियों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी, डेटा विश्लेषण और त्वरित जांच का लाभ उठाती है। सीबीपी अधिकारी का कहना है, यह फॉरवर्ड ऑपरेटिंग लेबोरेटरीज जैसी नवीन रणनीतियों का उपयोग करती है, जो त्वरित, ऑन-साइट प्रीकर्सर स्क्रीनिंग और फेंटानिल परीक्षण प्रदान करती हैं, जिससे पहचान का समय हफ्तों से घटकर मिनटों में आ जाता है। इससे कानून प्रवर्तन कार्रवाई, खुफिया जानकारी संग्रह और मुकदमा चलाने में तेजी आती है।

सीमा-पूर्व प्रवर्तन भी सीबीपी की रणनीति का एक केंद्रीय हिस्सा बन गया है। यह विदेशी सरकारों, निजी उद्योग भागीदारों और अग्रिम रूप से तैनात कर्मियों के साथ मिलकर अवैध नेटवर्क तक पहुंचने से पहले ही प्रीकर्सर रसायनों और उत्पादन उपकरणों को रोकने का काम करता है। इसके अतिरिक्त, सीबीपी का व्यापार कार्यालय वैध व्यापार मार्गों से प्रवेश करने वाले रसायनों और उपकरणों की खेपों को लक्षित करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों का विश्लेषण करता है। अधिकारी का कहना है कि एचएसआई फेंटानिल प्रीकर्सर रसायनों को केवल मादक पदार्थों का मुद्दा नहीं, बल्कि एक वैश्विक अवैध आपूर्ति श्रृंखला चुनौती के रूप में देखता है।

उच्च जोखिम वाली गतिविधि की पहचान करने के लिए एचएसआई व्यापार डेटा, शिपिंग में माल लदान की जानकारियां, सीमा शुल्क घोषणाओं और वाणिज्यिक अभिलेखों का विश्लेषण करता है ताकि असामान्य रूटिंग पैटर्न, असंगत उत्पाद विवरण या कंपनी के घोषित व्यवसाय के अनुरूप न होने वाली बार-बार कम मात्रा की खेपों जैसी विसंगतियों का पता लगाया जा सके। वित्तीय जांच समानांतर रूप से चलती है, जिसमें बैंकों, शेल कंपनियों, मनी सर्विस व्यवसायों और व्यापार-आधारित योजनाओं के माध्यम से भुगतानों का पता लगाकर प्रीकर्सर रसायनों की खरीद में मदद करने वाले नेटवर्क की पहचान की जाती है। अधिकारियों का कहना है कि वैध उद्योग के साथ साझेदारी भी तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। एचएसआई रासायनिक उत्पादकों, वितरकों और लॉजिस्टिक्स फर्मों के साथ मिलकर संदिग्ध ऑर्डरों की पारदर्शिता में सुधार करने और संदिग्ध लेनदेन या ग्राहकों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के लिए काम करता है।

चूंकि फेंटानिल का उत्पादन वैश्विक स्तर पर व्यापार किए जाने वाले रसायनों पर बहुत अधिक निर्भर करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है। फार्मास्युटिकल और औद्योगिक रसायनों के प्रमुख उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एचएसआई अधिकारी का कहना है, भारत सिंथेटिक दवाओं और प्रीकर्सर रसायनों के मामले में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हमारा सहयोग एक साझा आपूर्ति श्रृंखला चुनौती के रूप में देखा जाता है। वैध रसायनों और विशेषज्ञता को अवैध फेंटानिल और अन्य सिंथेटिक दवाओं के उत्पादन में जाने से रोकने के लिए मिलकर काम करना।

सहयोग को और गहरा करने के लिए एचएसआई ने व्यापार पारदर्शिता इकाइयों और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक जांच इकाइयों जैसी द्विपक्षीय पहलों का प्रस्ताव दिया है, जिनका उद्देश्य वास्तविक समय में सूचना साझाकरण में सुधार करना और अवैध आपूर्ति श्रृंखलाओं को संयुक्त रूप से लक्षित करना है। एचएसआई अधिकारी के अनुसार, घनिष्ठ साझेदारी, आपसी विश्वास और निरंतर सूचना साझाकरण के माध्यम से ही हम कृत्रिम मादक पदार्थों और प्रीकर्सर रसायनों से जुड़ी जटिल चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं।

फेंटानिल के खिलाफ कार्रवाई प्रवर्तन श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत एजेंसियों के बीच समन्वय पर बहुत अधिक निर्भर करती है। सीबीपी प्रवेश बंदरगाहों और व्यापार मार्गों पर अवैध खेपों की पहचान और उन्हें रोकने पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि एचएसआई जब्ती डेटा, वित्तीय रिकॉर्ड, खुफिया विश्लेषण और जांच संबंधी सुरागों का उपयोग करके उनके पीछे के आपराधिक नेटवर्क की पहचान और उन्हें नष्ट करता है। अधिकारियों का कहना है कि सीबीपी द्वारा की गई रोक के माध्यम से एकत्रित जानकारी अक्सर सीधे एचएसआई की जांच में काम आती है। सीबीपी अधिकारी का कहना है, सीबीपी और एचएसआई के बीच निरंतर सूचना साझाकरण होता है, जिसमें सीबीपी के राष्ट्रीय लक्ष्यीकरण केंद्र में एचएसआई इकाइयां फेंटानिल तस्करी संगठनों की पहचान करने के लिए शिपिंग और जब्ती डेटा का विश्लेषण करती हैं। अंततः फेंटानिल के खिलाफ लड़ाई इस बात की संपूर्ण सरकारी मान्यता को दर्शाती है कि सिंथेटिक पदार्थों के युग में, केवल ज़ब्ती ही अब पर्याप्त नहीं है। फेंटानिल को एक पारंपरिक तस्करी समस्या के बजाय एक वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में मानकर, अधिकारी निरंतर कार्रवाई के मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे तस्करी नेटवर्क वैश्विक व्यापार की अधिकाधिक आड़ ले रहे हैं, एआई, कूटनीति और फोरेंसिक वित्त के माध्यम से तैयारी की दौड़ आधुनिक मादक पदार्थों पर प्रहार की अग्रिम पंक्ति बनी हुई है। -

फर्जी डिग्रियां और टूटता भरोसा

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। देश के लाखों विद्यार्थी हर वर्ष कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं, विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षणों से गुजरते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। परिवार अपनी बचत, समय और उम्मीदें उनकी शिक्षा पर खर्च करते हैं, लेकिन जब फर्जी डिग्रियों, पेपर लीक, नकल माफिया और शैक्षणिक भ्रष्टाचार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की साख नहीं गिरती, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगता है। यही कारण है कि शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता का प्रश्न आज केवल अकादमिक बहस का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है।

हाल के वर्षों में भारत में अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और प्रशिक्षण संस्थानों पर अनियमितताओं के आरोप लगे। कहीं फर्जी अंकपत्र जारी किए गए, कहीं बिना पर्याप्त पढ़ाई और मूल्यांकन के डिग्रियां बांटने की शिकायतें मिलीं, तो कहीं भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली के आरोप लगे। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था वास्तव में योग्यता आधारित है या फिर उसमें ऐसे छेद पैदा हो चुके हैं जिनका लाभ उठाकर कुछ लोग अनुचित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं होता। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल, विवेक और जिम्मेदारी प्रदान करती है। एक डॉक्टर की डिग्री केवल एक कागज नहीं होती, बल्कि यह प्रमाण होती है कि उसने मानव जीवन की रक्षा करने योग्य ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एक इंजीनियर की डिग्री यह भरोसा देती है कि वह सुरक्षित भवन, पुल और तकनीकी संरचनाएं तैयार करने की क्षमता रखता है। एक शिक्षक की डिग्री इस बात की गारंटी मानी जाती है कि वह नई पीढ़ी को सही दिशा देने में सक्षम है। यदि इन डिग्रियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे तो समाज का पूरा विश्वास तंत्र कमजोर पड़ने लगता है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि फर्जी डिग्रियों का नुकसान केवल उन लोगों तक सीमित नहीं रहता जो इन्हें हासिल करते हैं। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि कोई अयोग्य व्यक्ति डॉक्टर बन जाए तो मरीजों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। यदि किसी तकनीकी पद पर अयोग्य इंजीनियर पहुंच जाए तो सार्वजनिक परियोजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि शिक्षा संस्थानों में अयोग्य शिक्षक नियुक्त हो जाएं तो आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का भी प्रश्न है।

भारत में उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। यह आवश्यक भी था क्योंकि करोड़ों युवाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती थी लेकिन कई बार विस्तार की गति गुणवत्ता नियंत्रण से अधिक तेज रही। परिणामस्वरूप कुछ संस्थान केवल डिग्री वितरण केंद्र बनकर रह गए। शिक्षण, शोध, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और प्रशिक्षित शिक्षकों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जब शिक्षा को सेवा के बजाय व्यवसाय के रूप में देखा जाने लगता है, तब ऐसे संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

पेपर लीक की घटनाओं ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। लाखों छात्र वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोग पैसे और प्रभाव के बल पर प्रश्नपत्र हासिल कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन प्रतिभाशाली युवाओं को होता है जो ईमानदारी से मेहनत कर रहे होते हैं। उनकी मेहनत का मूल्य कम हो जाता है और उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है।

युवा पीढ़ी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी योग्यता साबित करे, लेकिन यदि व्यवस्था निष्पक्ष न हो तो प्रतिभा हतोत्साहित होती है। जब किसी मेहनती छात्र को यह महसूस होने लगे कि सफलता योग्यता से नहीं बल्कि संपर्क, भ्रष्टाचार या जालसाजी से मिल सकती है, तब उसकी प्रेरणा कमजोर पड़ती है। यही स्थिति धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष को जन्म देती है। कई प्रतिभाशाली युवा देश छोड़ने का निर्णय लेते हैं या फिर व्यवस्था से निराश होकर अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं।

भारत की वैश्विक पहचान लंबे समय से उसके ज्ञान और प्रतिभा पर आधारित रही है। भारतीय मूल के हजारों वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्व की अग्रणी संस्थाओं में कार्यरत हैं। वे केवल अपने व्यक्तिगत करियर का निर्माण नहीं कर रहे, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ा रहे हैं। विदेशों में कार्यरत भारतीय हर वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि भारतीय डिग्रियों और प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेह बढ़ता है, तो इसका प्रभाव रोजगार, वीजा और वैश्विक अवसरों पर पड़ सकता है।यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की गलतियों के आधार पर पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को खारिज नहीं किया जा सकता। भारत में अनेक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और पेशेवर शिक्षण केंद्र हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं। लाखों छात्र पूरी ईमानदारी और कठिन परिश्रम से अपनी योग्यता अर्जित करते हैं। समस्या यह है कि कुछ नकारात्मक उदाहरण पूरी व्यवस्था की छवि को नुकसान पहुंचा देते हैं, इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना उतना ही आवश्यक है जितना कि ईमानदार और गुणवत्तापूर्ण संस्थानों को प्रोत्साहित करना।

शिक्षा में सुधार के लिए सबसे पहले पारदर्शिता को मजबूत करना होगा। सभी डिग्रियों और प्रमाणपत्रों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए, जिसे किसी भी नियोक्ता या संस्था द्वारा सत्यापित किया जा सके। डिजिटल सत्यापन प्रणाली फर्जी दस्तावेजों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे छात्रों, संस्थानों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास भी बढ़ेगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की नियमित शैक्षणिक समीक्षा है। केवल भवन और बुनियादी सुविधाओं के आधार पर मान्यता देने के बजाय वास्तविक शिक्षण गुणवत्ता, शोध कार्य, परीक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन होना चाहिए। जो संस्थान मानकों का पालन नहीं करते, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

तीसरा, परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाना होगा। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, साइबर सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ त्वरित दंड व्यवस्था आवश्यक है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को सामान्य अपराध नहीं बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के रूप में देखा जाना चाहिए।

चौथा, रोजगार और भर्ती प्रक्रियाओं में कौशल आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना होगा। केवल डिग्री पर निर्भरता कम करके वास्तविक क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान को महत्व दिया जाए। इससे प्रमाणपत्रों की अंधी दौड़ कम होगी और सीखने की संस्कृति मजबूत होगी।

इसके साथ ही समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। यदि डिग्री केवल रोजगार का टिकट बनकर रह जाए और ज्ञान का महत्व कम हो जाए, तो शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। इसलिए सीखने, शोध करने और कौशल विकसित करने की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है। भारत को यदि विश्व की अग्रणी ज्ञान अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे अपनी शिक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना होगा। डिग्री का अर्थ केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं होना चाहिए, बल्कि योग्यता, परिश्रम और नैतिकता का प्रमाण होना चाहिए। जब तक शिक्षा व्यवस्था में ईमानदारी और गुणवत्ता सर्वोच्च मूल्य नहीं बनेंगे, तब तक प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई पूरी तरह समाप्त नहीं होगी।

देश का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में है और युवाओं का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है, इसलिए फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष केवल व्यवस्था सुधार का अभियान नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। यही वह रास्ता है जो शिक्षा में भरोसा लौटाएगा, प्रतिभा को सम्मान देगा और भारत को विश्व मंच पर और अधिक मजबूत बनाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कच्चे तेल की कीमत से झुलसा शेयर बाजार, बड़ी गिरावट के साथ सेंसेक्स-निफ्टी बंद

नई दिल्ली, 08 जून (हि.स.)। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि दिन के पहले सत्र में निचले स्तर पर हुई वैल्यू बाइंग के कारण शेयर बाजार की स्थिति में काफी हद तक सुधार भी हुआ, लेकिन दोपहर एक बजे के करीब बाजार में दोबारा बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.97 प्रतिशत और निफ्टी 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर सभी सेक्टर पर दबाव बना रहा। दिन भर हुई बिकवाली के कारण सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज जम कर बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मेटल इंडेक्स 2.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह रियल्टी इंडेक्स भी 2.01 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसके अलावा बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.40 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 455.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.10 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.01 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,537 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,249 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,117 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 171 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,990 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 579 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,411 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सात शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 821.73 अंक की कमजोरी के साथ 73,421.61 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण यह सूचकांक 924.40 अंक की कमजोरी के साथ 73,318.94 अंक के स्तर तक चला गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर एक बजे के करीब सेंसेक्स निचले स्तर से 615.41 अंक की रिकवरी कर 73,934.35 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 410.09 अंक फिसल कर 719.08 अंक की गिरावट के साथ 73,524.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 286 अंक टूट कर 23,080.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार हो रही लिवाली के कारण दोपहर एक बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 197.15 अंक सुधर कर 23,267.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से यह सूचकांक दोबारा गिरने लगा। बाजार में दिन भर हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 144.30 अंक लुढ़क कर 243.70 की कमजोरी के साथ 23,123 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मैंने वर्षों तक योगासन का अभ्यास किया और कभी हार नहीं मानी : रितु मंडल

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली 20 साल की योगासन खिलाड़ी रितु मंडल ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और परिवार के समर्थन को दिया। उन्होंने कहा कि मैंने वर्षों तक योगासन का अभ्यास किया और कभी हार नहीं मानी। उनके कठिन सफर में परिवार ने हमेशा साथ दिया, जिस कारण उन्होंने यह सफलता हासिल की। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के एक छोटे से गांव की रहने वाली रितु मंडल के लिए इस उपलब्धि ने उन्हें और उनके परिवार को उनके बड़े सपने भारत का प्रतिनिधित्व करने और एक दिन ओलंपिक पदक जीतने के और करीब पहुंचा दिया है। रितु के लिए ये पदक वर्षों की मेहनत, त्याग और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। रितु ने साई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) मीडिया से बातचीत में कहा कि मेरे पिता एक राजमिस्त्री हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद मेरे परिवार ने हमेशा मेरे सपनों का समर्थन किया। मैंने वर्षों तक योगासन का अभ्यास और प्रशिक्षण किया, जबकि मेरी उम्र के कई लोग अन्य कामों में व्यस्त थे। चुनौतियां बहुत थीं, लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी क्योंकि मुझे अपने लक्ष्य पर विश्वास था। उनके बड़े भाई गौतम ने उनकी सफलता में विशेष भूमिका निभाई है। गौतम स्वयं एक योगासन खिलाड़ी रह चुके हैं और राज्य स्तर तक प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा।

जापान में एशियाई खेलों के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम भेजेगा आईजीयू

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) छह सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भेजेगा। पुरुष और महिला वर्ग की गोल्फ स्पर्धाएं 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कसुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में आयोजित की जाएंगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 451वें स्थान पर मौजूद युवराज संधू भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें वीर अहलावत (विश्व रैंकिंग 558) और सप्तक तलवार (विश्व रैंकिंग 576) भी शामिल हैं। विश्व नंबर 135 अदिति अशोक भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में दीक्षा डागर (विश्व रैंकिंग 221) और प्रणवी उर्स (विश्व रैंकिंग 270) भी शामिल हैं। अदिति अशोक ने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। खिलाड़ियों का चयन एशियाई खेलों के लिए आईजीयू की चयन नीति के अनुसार किया गया।

एमपीएल टी-20: बुंदेलखंड बुल्स महिला टीन ने ग्वालियर शेरनीज को 4 विकेट से हराया

इंदौर,। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी-20 सिंधिया कप के महिला वर्ग में बुंदेलखंड बुल्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्वालियर शेरनीज को रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से हरा दिया। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित डेली कॉलेज खेले गए इस मैच में बुंदेलखंड बुल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।बल्लेबाजी करते हुए ग्वालियर शेरनीज ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाए। ग्वालियर शेरनीज की शुरुआत सलामी बल्लेबाज नुजहत परवीन और आशना पाटीदार ने करते हुए पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। आशना 15 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद नुजहत परवीन ने सौम्या तिवारी के साथ मिलकर 41 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम की पारी को आगे बढ़ाया। कप्तान नुजहत के 45 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट होने के बाद शेरनीज की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे।

चंडीगढ़ के युवराज संधु एशियन गेम्स में भारत का नेतृत्व करेंगे

चंडीगढ़ । जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय गोल्फ टीम का ऐलान कर दिया गयाा। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने रविवार को छह सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तीन पुरुष और तीन महिला खिलाड़ी शामिल हैं। चयन खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग के आधार पर किया गया। पुरुष टीम में चंडीगढ़ के युवराज संधू (विश्व रैंकिंग 447) सबसे आगे हैं। उनके साथ वीर अहलावत (विश्व रैंकिंग 549) और सप्तक तलवार (विश्व रैंकिंग 569) को भी टीम में शामिल किया गया है।महिला वर्ग में अदिति अशोक (विश्व रैंकिंग 135) टीम की सबसे उच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी हैं। उनके साथ दीक्षा डागर (विश्व रैंकिंग 221) और प्रणवी उर्स (विश्व रैंकिंग 270) भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगी। एशियाई खेल 2026 की गोल्फ प्रतियोगिता 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में आयोजित की जाएगी। वर्ष 2026 के एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष गोल्फ टीम में चयनित होकर देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया। पीजीटीआई में 15 से अधिक पेशेवर खिताब जीतकर भारत के अग्रणी युवा गोल्फरों में अपनी पहचान बनाई।

इंडोनेशिया की निशानेबाजी टीम ने भारत में तीन माह का उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की उभरती वैश्विक खेल प्रशिक्षण क्षमता को और मजबूती देते हुए गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन ने हाल ही में इंडोनेशिया की 16 सदस्यीय निशानेबाजी टीम और दो प्रशिक्षकों की मेजबानी की। यह तीन महीने का उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर पुणे और हैदराबाद स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया गया। 15 फरवरी से 15 मई तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में इंडोनेशिया के कई प्रमुख निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। इनमें लंदन 2012 ओलंपिक में भाग लेने वाली डियाज कुसुमावर्दानी और टोक्यो 2020 ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली विद्या रफिका रहमत्तान तोय्यिबा भी शामिल रहीं। दल में ऐसे खिलाड़ी भी मौजूद थे जो एशियाई

खेल आइची-नागोया 2026 के लिए चयन की दौड़ में शामिल हैं। शिविर के दौरान इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने भारत के शीर्ष निशानेबाजों के साथ अभ्यास किया और प्रतिस्पर्धात्मक प्रशिक्षण वातावरण का अनुभव प्राप्त किया। खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाओं, खेल विज्ञान सहायता, उन्नत प्रदर्शन विश्लेषण तकनीक और अनुभवी प्रशिक्षण दल का लाभ मिला। दल ने खेलो इंडिया निशानेबाजी प्रतियोगिता - 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। भारत की प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिताओं में शामिल इस आयोजन ने खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच मुकाबले का अनुभव दिया। गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन के संस्थापक गगन नारंग ने कहा कि उच्च प्रदर्शन खेलों में सहयोग, अनुभव साझा करना और अलग-अलग प्रशिक्षण वातावरण बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि उनके केंद्रों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों का प्रशिक्षण लेना इस खेल तंत्र की गुणवत्ता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रम केवल विदेशी खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी लाभकारी होते हैं और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सकारात्मक परिणामों के बाद इंडोनेशिया निशानेबाजी संघ और गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन भविष्य में भी संयुक्त प्रशिक्षण शिविर और सहयोगी कार्यक्रमों की संभावनाओं पर काम करने की तैयारी कर रहे हैं।

केएस स्पोर्ट्स अंडर-16 क्रिकेटः भानु प्रताप सिंह क्लब बना चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। भानु प्रताप सिंह क्लब ने किड्स प्रयागराज क्लब को 60 रन से हराकर केएस स्पोर्ट्स अंडर-16 कलर ड्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया।चक हरिहर वन झूंसी मैदान पर खेले गए फाइनल मैच में भानु प्रताप सिंह क्लब ने 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 202 रन (आदित्य विक्रम बिंद 50, अंशुमान पाल 27 नाबाद, रमन पटेल 27, शिव गौतम) बनाए। जवाब में किड्स प्रयागराज क्लब की पूरी टीम 28.1 ओवर में 142 रन (राघव दुबे 55, हर्षित सहाय 53) पर सिमट गई।मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश एवं रेलवे टीम के पूर्व रणजी क्रिकेटर एवं भारतीय रेलवे टीम के पूर्व चयनकर्ता केबी काला ने पुरस्कार वितरित किया। अमित यादव को मैन ऑफ द मैच, प्रियांशु पाल को बेस्ट बैटर, अंकुश सिंह को बेस्ट बॉलर एवं मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

आयोजन सचिव विपिन कुमार यादव ने मुख्य अतिथि का स्मृति चिन्ह देखकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन क्रिकेट कोच सचिन प्रकाश सिंह ने किया। इस मौके पर पवन वर्मा, रामचंद्र यादव, कशिश यादव, रॉकी राज व राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

डेनमार्क-यूक्रेन मैत्री मैच के दौरान फिर गिरे क्रिस्टियन एरिक्सन, मुकाबला बीच में रोका गया

एजेंसी

ओडेन्से। क्रिस्टियन एरिक्सन एक बार फिर मैदान पर गिर पड़े, जिसके बाद डेनमार्क और यूक्रेन के बीच खेला जा रहा अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल मुकाबला बीच में ही रोक दिया गया। घटना डेनमार्क के ओडेन्से स्थित नेचर एनर्जी पार्क में हुई। मुकाबले के दूसरे हाफ में डेनमार्क 2-1 से आगे था, तभी एरिक्सन ने अपने सीने की ओर हाथ ले जाते हुए मैदान पर गिरना शुरू किया। तुरंत चिकित्सा टीम मैदान पर पहुंची और खेल रोक दिया गया।

बाद में डेनिश फुटबॉल संघ ने पुष्टि की कि एरिक्सन होश में हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। मुकाबले को रद्द कर दिया गया।

डेनिश फुटबॉल संघ के अनुसार राष्ट्रीय टीम के डॉक्टर मॉर्टन बोएसन ने बताया कि एरिक्सन खुद चलकर मैदान से बाहर गए और उनके शरीर में लगा हृदय उपकरण अपेक्षित तरीके से काम कर गया। डॉक्टर के अनुसार, एरिक्सन कुछ समय के लिए बेहोश हुए थे लेकिन बहुत जल्दी होश में लौट आए और उनसे बातचीत भी हुई। उन्होंने अपने साथियों को

संदेश भेजकर बताया कि वह ठीक हैं। इस घटना ने खिलाड़ियों और प्रशंसकों को पांच साल पहले की उस घटना की याद दिला दी, जब यूरोपीय चैम्पियनशिप 2021 (यूरो 2020) के दौरान फ़िनलैंड के खिलाफ मैच में एरिक्सन को मैदान पर हृदयाघात हुआ था और कुछ मिनटों तक उनका हृदय रुक गया था। उस समय मैदान पर ही उन्हें चिकित्सकीय सहायता देकर बचाया गया था। उस घटना के बाद एरिक्सन के शरीर में विशेष हृदय उपकरण लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए क्लब फुटबॉल में दोबारा खेलना शुरू किया और आगे चलकर कई क्लबों का हिस्सा बने। फिलहाल एरिक्सन को आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना के कारण मुकाबला दोबारा शुरू नहीं कराया गया।

बांग्लादेश वनडे श्रृंखला से बाहर हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस करेंगे कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बड़ा झटका लगा है। कप्तान मिचेल मार्श और स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में जोश इंगलिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

मार्श और हेड हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 से गंवाई गई एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेले थे। मार्श अभी टखने की चोट से उबर रहे हैं, जबकि हेड को निजी कारणों से अवकाश दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका लेग स्पिनर तनवीर संघा के रूप में लगा है। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके कारण वे बांग्लादेश दौरे से बाहर हो गए हैं। हालांकि मिचेल मार्श टीम के साथ बांग्लादेश जाएंगे और वहीं पुनर्वास प्रक्रिया जारी रखेंगे। उम्मीद की जा रही है कि वह इसके बाद होने वाली टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला

तक वापसी कर सकते हैं। पाकिस्तान दौरे के बाद स्वदेश लौटने वाले युवा बल्लेबाज़ ओली पीक और हरफनमौला खिलाड़ी मैट शॉर्ट अब टीम के साथ बने रहेंगे। वहीं तनवीर संघा की जगह ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को टीम में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि तनवीर संघा की चोट के कारण वह दौरे में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को उम्मीद थी कि मिचेल मार्श वनडे श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे, लेकिन उन्हें अभी और समय चाहिए।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीमः

जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कॉनोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंगलिस (कप्तान), मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, ओली पीक, मैथ्यू रेनशॉ, लियाम स्कॉट, मैट शॉर्ट, एडम ज़म्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीमः

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरॉन हार्डी, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमन, राइली मेरिडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, एडम ज़म्पा।

मानव-सुंदर के आगे अफगानिस्तान के बल्लेबाजों ने टेके घुटने, भारत ने एक पारी और 300 रनों से जीता एकमात्र टेस्ट

एजेंसी

न्यू चंडीगढ़। भारत ने महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से रौंदा। पहली पारी में 152 रनों पर सिमटने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी इनिंग में मेहमान टीम का हाल और बेहाल रहा और पूरी टीम 112 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान को सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। अब्दुल 8 रन बनाकर आउट हुए, तो अटल 80 गेंदों में 42 रन बनाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने। गुरबाज दूसरी पारी में भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 24 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह दूसरी इनिंग में 13 रन ही बना सके। कप्तान शाहिदी 5 रन ही बना

सके, तो अजमतुल्लाह उमरजई 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर-बल्लेबाज अफसर जजई 8 रन बनाकर आउट हुए, तो खरोटी सिर्फ 6 रन ही बना सके। मोहम्मद सलीम बिना खाता खोले आउट हुए और अशरफ चोटिल होने की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन गेंदबाजी रते हुए 4 विकेट अपने नाम किए, जबकि कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले, भारत ने केएल राहुल (100 रन) और शुभमन गिल (126 रन) की शतकीय पारी के बूते पहली पारी 8 विकेट खोकर 564 रन बनाने के बाद घोषित की। साई सुदर्शन (81 रन), ऋषभ पंत (81 रन) और वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 52) ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। इसके जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम 152 रन बनाकर सिमट गई। टीम की तरफ से रहमत शाह ने सर्वाधिक 60 रन बनाए। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम ने 412 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। भारत की ओर से अपना डेब्यू मुकाबला खेल रहे मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में 37 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट निकाले।

फ्लोरेंटिनो पेरेज़ फिर बने रियल मैड्रिड के अध्यक्ष, 20 साल बाद हुए चुनाव में दर्ज की जीत

एजेंसी

स्पेन। रियल मैड्रिड के अध्यक्ष पद के चुनाव में फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने एक बार फिर जीत हासिल करते हुए अगले चार वर्षों के लिए अपना कार्यकाल सुरक्षित कर लिया है। हुए चुनाव में उनकी जीत के साथ वह लगातार क्लब की कमान संभालते रहेंगे।

यह पिछले 20 वर्षों में पहली बार था जब क्लब में अध्यक्ष पद के लिए वास्तविक मुकाबला देखने को मिला। इससे पहले पेरेज़ वर्ष 2009, 2013, 2017, 2021 और 2025 में बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के निर्वाचित हुए थे। रियल मैड्रिड के आधिकारिक टीवी चैनल के अनुसार, पेरेज़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी एनरिके रिकेल्मे को हराया। हालांकि क्लब की ओर से अभी आधिकारिक मतगणना जारी नहीं की गई है। पेरेज़ की इस जीत के बाद क्लब में पूर्व मुख्य कोच जोस मोरिन्हो की वापसी की संभावनाएं भी तेज मानी जा रही हैं। मोरिन्हो इससे पहले 2010 से 2013 तक रियल मैड्रिड के मुख्य कोच रह चुके हैं और चुनाव अभियान के दौरान भी उनका नाम प्रमुखता से सामने आया। जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए पेरेज़ ने कहा कि उनका लक्ष्य रियल मैड्रिड को आगे भी अधिक से अधिक खिताब दिलाना है। जीत का जश्न सोमवार सुबह तक जारी रहा। 79 वर्षीय फ्लोरेंटिनो पेरेज़ पहली बार वर्ष 2000 में रियल मैड्रिड के अध्यक्ष बने थे और 2006 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 2009 में उन्होंने दोबारा वापसी की। उनके कार्यकाल के दौरान क्लब ने सात यूरोपीय कप जीते और कुल 15 महाद्वीपीय खिताबों के रिकॉर्ड तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिमांशु, दीक्षा और सूरज ने ट्रायल्स में दिखाई सटीक निशानेबाजी, चयन दौड़ में मजबूत किया दावा

एजेंसी

देहरादून/नई दिल्ली। आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और एशियाई खेलों की तैयारियों के बीच आयोजित टी4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूल शूटिंग रेंज में खेले गए फाइनल मुकाबलों में हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों, उत्तर प्रदेश की दीक्षा वैश्या और मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। अंतिम शॉट से पहले मुकाबला बराबरी का था, लेकिन हिमांशु ने निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त बना ली और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र के पार्थ माने को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि दिल्ली के पार्थ माखिजा

तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दीक्षा वैश्या ने शुरुआत से ही आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने बीच के चरण में बढ़त हासिल की और अंत तक उसे बरकरार रखते हुए स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश की आशी चौकसे दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि रेलवे की सोनम मस्कर ने कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में सूरज शर्मा ने लगातार सटीक निशाने लगाते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्तराखंड के अंकुर गोयल दूसरे और भव्येश शेखावत तीसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसने चयन प्रक्रिया को और प्रतिस्पर्धी बना दिया। ट्रायल्स के बाद राष्ट्रीय रैंकिंग में भी कुछ महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले। पुरुष एयर राइफल वर्ग में पार्थ माने शीर्ष स्थान पर बने रहे, जबकि हिमांशु ने दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। महिलाओं में सोनम मस्कर ने रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं पुरुष रैपिड फायर पिस्टल वर्ग में अनुभवी निशानेबाज ओंकार सिंह शीर्ष दावेदारों में शामिल हो गए।

विश्व योगासन चैंपियनशिप में भारत का दबदबा बरकरार, हीना राजगोर ने दिलाया स्वर्ण

एजेंसी

अहमदाबाद। पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप में मेजबान भारत का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के अंतिम चरण से पहले भारत ने पदक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत करते हुए 40 स्वर्ण, 8 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 50 पदक अपने नाम कर लिए हैं। गुजरात की हीना राजगोर ने स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय अभियान को नई मजबूती प्रदान की। भुज की रहने वाली हीना राजगोर ने सीनियर-बी महिला वर्ग की फॉरवर्ड बेंड स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। योगासन में उच्च शिक्षा और शोध से जुड़ी हीना ने अपने प्रदर्शन का श्रेय कठिन अभ्यास और मानसिक एकाग्रता को दिया। उन्होंने कहा कि

सिंगल, पारंपरिक योगासन और सुपाइन इंडिविजुअल जैसी कई प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश की पदक संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की। युवा और वरिष्ठ दोनों वर्गों में भारतीय प्रतिभाओं ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पदक तालिका में जापान दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जापानी खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपने स्वर्ण पदकों की संख्या बढ़ाई। वहीं सिंगापुर तीसरे स्थान पर कायम है। इसके अलावा रूस और उज्बेकिस्तान ने भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उज्बेकिस्तान को इस चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक भी मिला। विश्व योगासन चैंपियनशिप का यह पहला संस्करण योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विभिन्न महाद्वीपों से आए खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। चैंपियनशिप के समापन से एक दिन पहले भारत की बढ़त इतनी मजबूत हो चुकी है।

महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने वालीं 5 बल्लेबाज, लिस्ट में एक भारतीय नाम भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 11 जून से इंग्लैंड की धरती पर इस मेगा इवेंट का आयोजन होना है। आइए आपको उन 5 बल्लेबाजों के नाम बताते हैं, जिन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी खेली है।

मेग लेनिंग: ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज मेग लेनिंग के नाम महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। लेनिंग ने साल 2014 में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। उन्होंने महज 67 गेंदों का सामना करते हुए 126 रन बनाए थे। अपनी इस पारी में लेनिंग ने 18 चौके और 4 छक्के लगाए थे।

डिएंड्रा डॉटिन: वेस्टइंडीज की धाकड़ बल्लेबाज ड्रिएंडा डॉटिन टी20 विश्व कप में दूसरी सबसे बड़ी पारी खेलने वाली बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने 2010 में हुए वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे श्रृंखला जीत भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2025 की शुरुआत में संन्यास लेने के बाद भी तमीम घरेलू क्रिकेट खेलते रहे, लेकिन ढाका प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने के बाद उनके खेल करियर का अंत हो गया। अब वह प्रशासनिक भूमिका में बांग्लादेश क्रिकेट को नई दिशा देने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष बने तमीम इकबाल, पारदर्शिता और सुधार का किया वादा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष चुन लिया गया। निर्विरोध निर्वाचित हुए तमीम ने बोर्ड की कमान संभालते हुए पारदर्शिता बढ़ाने, खिलाड़ियों को सम्मान दिलाने और बांग्लादेश क्रिकेट की छवि को फिर से मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। 36 वर्षीय तमीम अगले चार वर्षों तक बोर्ड का नेतृत्व करेंगे। चुनाव के बाद उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान से अधिक एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने क्रिकेट प्रशासन को लेकर कई मुद्दे उठाए थे और अब उन्हें खुद को साबित करने का अवसर मिला है।

ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में आयोजित चुनाव में 23 निदेशकों का चयन किया गया, जबकि सरकार द्वारा नामित दो प्रतिनिधियों के शामिल होने के बाद बोर्ड की कुल सदस्य संख्या 25 हो गई। इसके बाद नई

परिषद ने सर्वसम्मति से तमीम को अध्यक्ष चुना।

तमीम ने अपने कार्यकाल की प्राथमिकताओं में आधुनिक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) की स्थापना को सबसे ऊपर बताया। उन्होंने कहा कि यह उनका सबसे बड़ा सपना है और इसके लिए सरकार का सहयोग भी आवश्यक होगा। प्रस्तावित केंद्र को ढाका के निकट पूर्वाचल क्षेत्र में विकसित करने की योजना है, जो मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं की तुलना में कहीं अधिक उन्नत होगा। नए अध्यक्ष ने बांग्लादेश क्रिकेट की हालिया चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, जिससे क्रिकेट की छवि प्रभावित हुई। तमीम ने जोर देकर कहा कि वर्तमान और पूर्व दोनों खिलाड़ियों के सम्मान और सहभागिता को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बोर्ड के कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता का भरोसा भी दिलाया। तमीम ने कहा कि उनका लक्ष्य ईमानदारी के साथ काम करना है और यदि कोई गलती होती है तो उसे जल्द से जल्द सुधारने की कोशिश की जाएगी। बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक तमीम इकबाल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 391 मैच खेले और तीनों प्रारूपों में 15,000 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने बांग्लादेश को 21 जीत दिलाई, जिनमें 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे श्रृंखला जीत भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 2025 की शुरुआत में संन्यास लेने के बाद भी तमीम घरेलू क्रिकेट खेलते रहे, लेकिन ढाका प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने के बाद उनके खेल करियर का अंत हो गया। अब वह प्रशासनिक भूमिका में बांग्लादेश क्रिकेट को नई दिशा देने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

भारत भी अन्य देशों की तरह तेल की ऊंची कीमतों से प्रभावित हुआ है: आईएटीए महानिदेशक

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। वैश्विक एयरलाइंस संस्था अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के अन्य सभी देशों की तरह भारत भी तेल की ऊंची कीमतों से प्रभावित हुआ है। विमानन क्षेत्र के अनुभवी वॉल्श ने अप्रैल 2021 में आईएटीए के महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला था और वह जल्द ही भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की कमान संभालेंगे। आईएटीए ने पश्चिम एशिया तनाव के कारण विमान ईंधन की औसत कीमतें साल-दर-साल 70 प्रतिशत अधिक होने की संभावना जताई है। वॉल्श ने कहा, ''इससे इस साल हमारे सामूहिक ईंधन बिल में 100 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी होगी।''

आईएटीए की 2027 वार्षिक आम बैठक जियामेन में होगी

रियो डी जेनेरियो। विमानन कंपनियों के समूह अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने घोषणा की है कि उसकी 83वीं वार्षिक आम बैठक अगले वर्ष चीन के जियामेन शहर में आयोजित की जाएगी। चीन में बैठक आयोजित करने का निर्णय शहर में आयोजित 82वीं वार्षिक आम बैठक में लिया गया था। विज्ञप्ति के अनुसार, वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और विश्व हवाई परिवहन शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएटीएस) 30 मई से एक जून, 2027 तक जियामेन में आयोजित किए जाएंगे। आईएटीए के अनुसार, यह तीसरी बार होगा जब चीन इस वैश्विक बैठक की मेजबानी करेगा इससे पहले यह सम्मेलन 2002 में शंघाई और 2012 में बीजिंग में आयोजित किया जा चुका है।आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा, 'हम आईएटीए की 83वीं वार्षिक आम बैठक चीन में आयोजित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जिसकी मेजबानी श्यामेन एयरलाइंस करेगी। चीन विमानन उद्योग का एक प्रमुख खिलाड़ी है और यात्री यातायात के मामले में चीन की विमानन कंपनियां दुनिया की शीर्ष कंपनियों में शामिल हैं।'

सेबी को भेजे थे 400 जीबी दस्तावेज, नियामक ढूंढ नहीं पाया: राजेश एक्सपोर्ट्स

नयी दिल्ली। सोना रिफाइनिंग एवं आभूषण विनिर्माण से जुड़ी कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स ने कहा कि वह बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को पहले ही 300 से 400 गीगाबाइट (जीबी) के दस्तावेज सौंप चुका है, लेकिन उसका मानना है कि नियामक सही फाइलों को ढूंढ नहीं पाया है। कंपनी ने कहा कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए मांगे गए सभी दस्तावेज 15 दिनों के भीतर फिर से जमा करेगी। कंपनी के संस्थापक और चेयरमैन राजेश मेहता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि सेबी का तीन जून का अंतरिम आदेश, जिसमें वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान 15.15 लाख करोड़ रुपये के कथित राजस्व वृद्धि का आरोप लगाया गया है, एक बुनियादी लेखांकन त्रुटि पर आधारित है। उन्होंने कहा कि नियामक ने कंपनी की कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) को राजस्व मान लिया है। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें 300-400 जीबी के दस्तावेज दिए थे, जो लाखों पन्नों में हैं। मुझे लगता है कि वे सही दस्तावेज ढूंढ़ नहीं पाए। पूरी गड़बड़ी वहीं हुई है। ' उन्होंने कहा, 'उन्होंने ईबीआईटीडीए को राजस्व मान लिया है। ईबीआईटीडीए यानी सकल लाभ होता है। उन्होंने सकल लाभ को राजस्व मान लिया है। इस संख्या (15.15 लाख करोड़ रुपये) को देखते हुए उन्होंने एक बड़ी गलती की है। ' मेहता ने कथित गलती को समझाने के लिए आभूषण दुकान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि राजेश एक्सपोर्ट्स जैसे बड़े और कम मुनाफे वाले सोने के कारोबार में अगर कोई ग्राहक दो ग्राम सोना 30,000 रुपये में खरीदता है, तो वह 30,000 रुपये ही कंपनी का राजस्व (बिक्री आय) होता है। उस लेन-देन पर 1,000 रुपये का सकल लाभ (ग्रॉस प्रॉफिट) होता है, जबकि शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) 500 रुपये होता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष और ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण वैश्विक विमानन का मुनाफा घटने के आसार

रियो डी जेनेरियो। पश्चिम एशिया संघर्ष और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण वैश्विक विमानन उद्योग का कुल शुद्ध मुनाफा 2026 में घटकर 23 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो पिछले शुद्ध मुनाफे का लगभग आधा है। उद्योग जगत की एयरलाइन संस्था आईएटीए ने यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने अपने वित्तीय दृष्टिकोण में यह भी कहा कि प्रति यात्री परिवहन पर शुद्ध लाभ 4.50 अमेरिकी डॉलर रहने की उम्मीद है, जो 2025 में हासिल किए गए 9.10 अमेरिकी डॉलर की तुलना में आधा है। आईएटीए देश भर में करीब 370 से अधिक एयरलाइन का प्रतिनिधित्व करता है, जिनमें एअर इंडिया, इंडिगो, एअर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और अकासा एयर शामिल हैं। इस समूह के सदस्य वैश्विक हवाई यातायात का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा संभालते हैं। अनुमान है कि 2026 में एयरलाइन उद्योग की कुल आय 1165 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी, जो 2025 में दर्ज की गई 1065 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक है।आईएटीए ने कहा, ''उम्मीद है कि विमानन द्वारा 2026 में कुल मिलाकर 23 अरब अमेरिकी डॉलर का शुद्ध लाभ अर्जित किया जाएगा।

15 लाख रुपये से कम में मिलेगा दमदार विकल्प, दस्तक देंगी रेनो, निसान, हुंडई और फॉक्सवैगन की नई एसयूवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बाजार में खेल उपयोगी वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है और इसी को देखते हुए कई वाहन निर्माता कंपनियां आने वाले महीनों में अपने नए मॉडल पेश करने की तैयारी कर रही हैं। यदि आप नई खेल उपयोगी वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो थोड़ा इंतजार आपके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। अगले कुछ समय में भारतीय बाजार में रेनो, निसान, हुंडई और फॉक्सवैगन जैसी प्रमुख कंपनियों की नई गाड़ियां दस्तक देने वाली हैं। खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश मॉडलों की कीमत 15 लाख रुपये से कम रहने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे मध्यम वर्गीय ग्राहकों के लिए भी ये आकर्षक विकल्प बन सकती हैं।

रेनो ब्रिजर से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा फ्रांसीसी वाहन निर्माता रेनो अपनी नई ब्रिजर को भारतीय बाजार में उतारने की तैयारी

कर रही है। यह चार मीटर से कम लंबाई वाली खेल उपयोगी वाहन होगी, जिसे कंपनी के नए मंच पर विकसित किया जाएगा। इस मॉडल को कई प्रकार के शक्ति स्रोत विकल्पों के साथ पेश किए जाने की संभावना है। इसमें पेट्रोल, संपीड़ित प्राकृतिक गैस, संकर तकनीक और विद्युत संस्करण शामिल हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार पेट्रोल मॉडल में 1.2 लीटर क्षमता का नया स्वाभाविक रूप से वायु ग्रहण करने वाला तथा टर्बो युक्त इंजन दिया जा सकता है। वहीं विद्युत संस्करण में 35 किलोवाट घंटा और 55 किलोवाट घंटा क्षमता वाले बैटरी पैक मिलने की संभावना है। कंपनी इसे वर्ष 2027 में बाजार में उतार सकती है। कीमत की बात करें तो विभिन्न संस्करणों के आधार पर इसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये से लेकर 18 लाख रुपये तक जा सकती है। जर्मन वाहन निर्माता फॉक्सवैगन की टेरा अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहले से उपलब्ध है, लेकिन भारतीय ग्राहकों के लिए इसे विशेष रूप से तैयार किए जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि भारतीय संस्करण की लंबाई चार मीटर से कम रखी जा सकती है, जिससे कर संबंधी लाभ प्राप्त हो सके। इसमें 1.0 लीटर क्षमता का टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस वाहन में उन्नत चालक सहायता प्रणाली भी देखने को मिल सकती है।

फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर खेतों में देता है शानदार परफार्मेंस और मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली । किसानों के लिए फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर अपनी परफार्मेंस और मजबूती के लिए जाना जाता है। फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर 50 HP की पावर के साथ आता है, जिससे यह जुताई, बुवाई और ढुलाई जैसे भारी कार्यों के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है। यह लगभग 42 PTO HP देता है, जिससे यह रोटावेटर, थ्रेशर और कल्टीवेटर जैसे उपकरणों के साथ शानदार काम करता है। फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर की लिफ्टिंग कैपेसिटी 1800 चद्द है, जिससे यह भारी औजारों और कृषि उपकरणों को आसानी से संभाल सकता है। इसके अलावा, इसमें 8 फॉरवर्ड + 2 रिवर्स गियरबॉक्स होता है जो बेहतर कंट्रोल और स्मूद ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। इस पेज पर आपको फार्मट्रैक 60 क्लासिक की कीमत, हॉर्सपावर और प्रमुख फीचर्स की जानकारी मिलेगी। साथ ही, इसकी लिफ्टिंग कैपेसिटी, गियरबॉक्स और विभिन्न कृषि कार्यों के लिए इसकी उपयोगिता भी विस्तार से दी गई है। फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर का निर्माण एस्कॉर्ट्स ट्रैक्टर की सहायक कंपनी फार्मट्रैक द्वारा किया जाता है। एस्कॉर्ट दुनिया भर में लीडिंग फार्म मशीनरी उत्पादकों में से एक है। इस ट्रैक्टर का माइलेज अच्छा है और यह 50 एचपी इंजन द्वारा संचालित है, जो 2200 आरपीएम जनरेट करता है। यह आरपीएम फार्म मशीनरी को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, फार्मट्रैक 60 क्लासिक ट्रैक्टर 7.94 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। यहां आप सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त करें, जिसमें मुख्य फीचर्स, स्पेसिफिकेशन्स और इंजन कैपेसिटी आदि शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,870 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बजाज एवेंजर स्ट्रीट 220 की वापसी, मिला दमदार इंजन और आधुनिक सुविधाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में क्रूजर मोटरसाइकिलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और इसी कड़ी में बजाज ऑटो ने अपनी चर्चित एवेंजर श्रृंखला को नया विस्तार देते हुए 2026 बजाज एवेंजर स्ट्रीट 220 को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस मोटरसाइकिल को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सूचीबद्ध कर इसकी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। नई एवेंजर स्ट्रीट 220 को 1.30 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर उतारा गया है। लंबे समय से इस मॉडल की वापसी का इंतजार कर रहे ग्राहकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण खबर मानी जा रही है। एवेंजर श्रृंखला हमेशा से उन ग्राहकों की पसंद रही है जो आरामदायक लंबी यात्राओं के साथ आकर्षक क्रूजर शैली का अनुभव चाहते हैं। नई एवेंजर स्ट्रीट 220 भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक सुविधाओं और नए स्वरूप के साथ बाजार में आई है। दिलचस्प बात यह है कि इसकी कीमत एवेंजर क्रूज 220 से थोड़ी अधिक रखी गई है। जहां क्रूज 220 की कीमत 1.29 लाख रुपये है, वहीं स्ट्रीट 220

के लिए ग्राहकों को लगभग एक हजार रुपये अधिक खर्च करने होंगे। कंपनी ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में भी बदलाव किया है। पहले जहां एवेंजर श्रृंखला में 160 घन सेंटीमीटर और 220 घन सेंटीमीटर क्षमता वाले मॉडल उपलब्ध थे, वहीं अब एवेंजर स्ट्रीट 160 को बाजार से हटा दिया गया है। इसके बाद कंपनी की एवेंजर श्रृंखला केवल दो मॉडलों, स्ट्रीट 220 और क्रूज 220 तक सीमित रह गई है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि कंपनी अब अधिक क्षमता वाले मॉडलों पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहती है। नई एवेंजर स्ट्रीट 220 में वही इंजन दिया गया है जो कंपनी की क्रूज 220 में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें 220 घन सेंटीमीटर क्षमता का एकल सिलेंडर, वायु और तेल से शीतलित इंजन लगाया गया है। यह इंजन 8,500 आरपीएम पर लगभग 19 बीएचपी की शक्ति और 7,000 आरपीएम पर 17.6 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। इंजन को पांच गति वाले गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह इंजन लंबे समय से अपनी विश्वसनीयता और संतुलित प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। शहर की व्यस्त सड़कों से लेकर राजमार्गों तक यह सहज और आरामदायक संचालन प्रदान करता है। कम गति पर मिलने वाला बेहतर टॉर्क लंबी यात्राओं को अधिक सुविधाजनक बनाता है।

एसएमआर ज्वेल्स की स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजाइनर हेरिटेड ज्वेलरी का काम करने वाली कंपनी एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.57 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 102.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण इस शेयर की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ।

दोपहर 11 बजे तक कंपनी के शेयर 108 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 15.38 प्रतिशत के नुकसान में थे। एसएमआर ज्वेल्स का 63.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 मई से तीन जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.41 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सौ प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 30 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 51 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 9.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ज्वेलरी स्टूडियो का निर्माण करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 91 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 3.85 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 10.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 18.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 67.53 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 124.52 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 263.25 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एवोर ईवी ब्रांड की भारत में होने जा रही एंट्री, ओला और रिवाल्ट को देगी टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली । बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ रही है। ईवी सेगमेंट में कई नए निर्माता भी अपने सफर को शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। इसी क्रम में समर्थ ई मोबिलिटी की ओर से नए ब्रॉन्ड Avore के साथ Ola, Revolt को चुनौती देने की तैयारी की जा रही है। कब तक निर्माता किस सेगमेंट में अपने ईवी वाहनों को पेश कर सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। भारतीय बाजार में जल्द ही समर्थ ई मोबिलिटी की ओर से नए ब्रॉन्ड Avore को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा भी कर दी गई है। निर्माता की ओर से जानकारी दी गई है कि वह भारतीय बाजार में,1श्हद्द नाम के ब्रॉन्ड के साथ इलेक्ट्रिक सेगमेंट में नई मोटरसाइकिल को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। वेबसाइट भी हुई लॉन्चः समर्थ ई मोबिलिटी की ओर से नए ब्रॉन्ड एवोर की नई वेबसाइट को भी लॉन्च कर दिया गया हैं। जिसमें निर्माता की ओर से आने वाली मोटरसाइकिल की झलक को दिखाया गया है। निर्माता की ओर से 10.5 किलोवाट की क्षमता की मोटर के साथ मोटरसाइकिल को लॉन्च किया जाएगा। जिसमें 5kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जाएगा। जो आईपी 67 रेटिंग के साथ आएगी। इस मोटरसाइकिल में एआई के साथ ही डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नेविगेशन के साथ ही कई और जानकारी को भी देखा जा सकेगा। निर्माता की ओर से अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है लेकिन वह जल्द ही अपनी मोटरसाइकिल को भारत में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस मोटरसाइकिल को 125 से 200 सीसी सेगमेंट की ICE मोटरसाइकिल के इलेक्ट्रिक विकल्प के तौर पर लॉन्च किया जाएगा।

टॉप 10 में शामिल सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ से अधिक गिरा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सात कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि तीन कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सबसे आगे रही, जबकि आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रही।

इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,25,670.23 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 21,278.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए चार दिन के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,718 करोड़ रुपये घट कर 17,47,321.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,95,346.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 18,736.04 करोड़ रुपये कम होकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 16,880.20 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 14,610.74 करोड़ रुपये फिसल कर 5,05,873.32 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,681.36 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,53,580.97 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,909.23 करोड़ रुपये घट कर 4,98,301.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692.09 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,02,523.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

दिल्ली में पेट्रोल, डीजल, CNG और LPG की आपूर्ति सामान्य : BPCL

एजेंसी

नई दिल्ली । सरकारी तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। कंपनी अपनी मजबूत सप्लाई चेन और रिटेल नेटवर्क के जरिए राजधानी में निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। कंपनी ने बताया कि दिल्ली में उसके सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की उपलब्धता स्थिर बनी हुई है। नियमित स्टॉक भरने और लॉजिस्टिक्स संचालन के कारण उपभोक्ताओं, व्यवसायों, परिवहन ऑपरेटरों और जरूरी सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है। बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 के दौरान दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन (एमटी) से अधिक रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 27,100 मीट्रिक टन से अधिक था। इस तरह पेट्रोल बिक्री में लगभग 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अलावा, मई में डीजल की बिक्री में भी स्थिर वृद्धि देखी गई, जो मई 2025 में 16,100 मीट्रिक टन से अधिक के मुकाबले 16,500 मीट्रिक टन से अधिक तक पहुंच गई, जो करीब 2.9 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी ने कहा कि मई के दौरान उसने 33,400 मीट्रिक टन से अधिक सीएनजी की आपूर्ति की। इससे दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क, व्यावसायिक वाहनों और स्वच्छ ईंधन आधारित परिवहन व्यवस्था की बढ़ती जरूरतों को पूरा किया गया।

परिवहन ईंधन के अलावा कंपनी दिल्ली में बड़ी संख्या में एलपीजी उपभोक्ताओं की जरूरतें भी पूरी कर रही है।

मई के दौरान बीपीसीएल ने 7.7 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की। इसके अलावा, 18,000 से ज्यादा कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और 22,000 से अधिक एफटीएल एलपीजी सिलेंडरों की भी सप्लाई की गई।

एनएसई में निवेशक खातों की संख्या 26 करोड़ के पार

एजेंसी

मुंबई। देश के प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ऑफ इंडिया ने जून में 26 करोड़ निवेशक खातों की उपलब्धि हासिल कर ली। एनएसई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एक्सचेंज पर यूनीक ट्रेडिंग खातों की संख्या 26 करोड़ के आंकड़े को पार कर गयी है। खास बात यह है कि 25 करोड़ से 26 करोड़ का सफर चार महीने से भी कम समय में तय हुआ है जो निवेशकों की भागीदारी में निरंतर वृद्धि दिखाता है। पिछले एक साल में ही 4.3 करोड़ से अधिक निवेशक खाते एक्सचेंज से जुड़ चुके हैं। यह कुल खातों का लगभग 17 प्रतिशत है। वहीं, 31 मई तक एनएसई में पंजीकृत यूनीक निवेशकों की संख्या 13.1 करोड़ से अधिक थी। ट्रेडिंग खातों की संख्या यूनीक निवेशकों से अधिक है क्योंकि एक निवेशक विभिन्न ब्रोकरों के माध्यम से कई ट्रेडिंग खाते रख सकता है। अप्रैल 2026 में यूनीक निवेशकों की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंची थी।

निवेशक खातों के मामले में 4.4 करोड़ के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। यह कुल खातों का लगभग 17 प्रतिशत है। इसके बाद लगभग तीन करोड़ (11 प्रतिशत) खातों के साथ उत्तर प्रदेश , 2.2 करोड़ (8.6 प्रतिशत) खातों के साथ गुजरात, 1.5 करोड़ (5.9 प्रतिशत) खातों के साथ पश्चिम बंगाल और 1.5 करोड़ (5.8 प्रतिशत) खातों के साथ राजस्थान का स्थान है। ये पांच राज्य मिलकर देश के लगभग 49 प्रतिशत निवेशक खातों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सर्राफा बाजार में मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड की धमाकेदार शुरुआत, पहले दिन ही डबल हुआ निवेशकों का पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 149 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग मैक्सिमम परमिटेड प्रीमियम लिमिट यानी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 283.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 297.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गई। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 148.25 रुपये यानी 99.50 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड का 70.03 करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 315.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 224.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 476.59 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 297.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 47 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 16.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 86.01 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 114.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 156.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 15.82 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 43.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.58 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.23 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 52.52 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.39 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 40.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 27.22 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

इजरायल-ईरान तनाव के बीच ट्रंप ने की शांति की अपील, बातचीत की मेज पर लौटने को कहा

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि वह इजरायल पर मिसाइलें दागना बंद करे और फिर से बातचीत की मेज पर लौट आए। यह बयान तब आया जब ईरान ने इजरायल की ओर बैलिस्टिक मिसाइलों की एक नई खेप दागी। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, 'मैं ईरान से यही कहूंगा कि आपने अपनी मिसाइलें चला दीं, अब बस कीजिए। वापस बातचीत की मेज पर आइए और समझौता कीजिए।' सं?न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान की ओर से मिसाइलें दागने से पहले अमेरिका और ईरान किसी समझौते के बहुत करीब पहुंच चुके थे। उन्होंने कहा, 'हम बहुत करीब थे। मेरा मानना है कि इस आने वाले हफ्ते में सोमवार, मंगलवार या बुधवार तक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते थे। लेकिन अब यह सब हो गया। ' उन्होंने कहा, 'यह बातचीत और समझौते की कोशिशों के लिए बिल्कुल भी मददगार नहीं होगा। 'अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन करेंगे और उनसे जवाबी कार्रवाई न करने की अपील करेंगे।

ईरान संघर्ष खत्म होते ही पेट्रोल की कीमतें तेजी से गिरेंगी: ट्रंप

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा संघर्ष खत्म होते ही अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए ईंधन और कृषि लागत में हुई अस्थायी बढ़ोतरी एक जरूरी कीमत है। एनबीसी के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने माना कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर अमेरिकी किसानों पर पड़ा है, लेकिन उनका कहना था कि यह आर्थिक दबाव ज्यादा समय तक नहीं रहेगा और उनकी सरकार की कार्रवाई सही है। जब उनसे किसानों की बढ़ती ईंधन और खाद की लागत को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'जैसे ही यह मामला खत्म होगा, पेट्रोल की कीमतें तेजी से गिर जाएंगी। ' यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के साथ संघर्ष के आर्थिक असर को लेकर व्हाइट हाउस पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका द्वारा पहली सैन्य कार्रवाई के बाद से यह संघर्ष अब 100वें दिन में पहुंच चुका है। किसानों की आर्थिक परेशानियों पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि ग्रामीण अमेरिका आज भी उन पर भरोसा करता है। उन्होंने कहा, 'मैं किसानों से प्यार करता हूं और किसान मुझसे प्यार करते हैं। किसान मुझ पर भरोसा करते हैं। '

मध्य पूर्व में बढ़ा तनाव: ईरान के समर्थन में उतरा इराकी 'कताइब हिज्बुल्लाह', अमेरिका को चेताया

बगदाद । इराक की शिया मिलिशिया 'कताइब हिज़?बुल्लाह' ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो वह इराक और पूरे क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएंगे। समूह ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा, 'अगर अमेरिका इस टकराव में हस्तक्षेप करता है, तो हम इराक और क्षेत्र में उसके ठिकानों और हितों पर हमला करेंगे।' समाचार एजेंसी के अनुसार, यह बयान ऐसे समय आया है, जब रविवार शाम ईरान ने इजरायल की ओर कई चरणों में मिसाइलें दागीं। उत्तरी इजरायल के बड़े हिस्सों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। इजरायली सेना ने कहा कि उसने इन मिसाइल हमलों को रोक लिया। इस बीच, इराक के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने देश का हवाई क्षेत्र 72 घंटों के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। मिसाइल हमलों के कारण उत्तरी इजरायल के कई इलाकों में सायरन बज उठे। फिलहाल किसी के घायल होने या किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक बयान में कहा कि उसने इजरायल के रामत डेविड एयरबेस को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। उसके अनुसार यह कार्रवाई लेबनान में इजरायल के 'व्यापक अपराधों' के जवाब में की गई।

ईरान की मिसाइल बौछार के बाद इजरायल का पलटवार, पश्चिमी और मध्य ईरान के सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक

यरूशलम। ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई।

मास्को में ईरान के राजदूत बोले,' होर्मुज खुला रहेगा, लेकिन ट्रांजिट शुल्क लगेगा'

एजेंसी

तेहरान/मास्को । मध्य पूर्व एशिया में संघर्ष खत्म नहीं हुआ है। तनाव चरम पर है। इस बीच रूस में ईरान के राजदूत काजेम जालाली ने कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन यह नई शर्तों के तहत संचालित होगा, जिनमें ट्रांजिट शुल्क (आवागमन शुल्क) भी शामिल हो सकता है। रूसी समाचार पत्र इजवेस्टिया को दिए इंटरव्यू में (सोमवार को प्रकाशित) जालाली ने कहा, 'यह जलडमरूमध्य निश्चित रूप से खुला रहेगा, लेकिन इसकी नई शर्तें ईरान और ओमान के अधिकारी तय करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हम समझते हैं कि ईरान और ओमान इस स्ट्रेट से जुड़ी कुछ सेवाएं प्रदान करते हैं, और उन सेवाओं के लिए शुल्क लिया जाएगा।' हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान इस

जलमार्ग को किसी दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहता, लेकिन क्षेत्रीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं, इसलिए नई व्यवस्था जरूरी है। उनके मुताबिक, यह जलडमरूमध्य केवल ईरान और ओमान के अधिकार क्षेत्र से जुड़ा मामला है और इसका प्रबंधन इन्हीं दोनों देशों के बीच तय किया जा रहा है। राजदूत ने कहा कि पिछले दशकों में यह मार्ग सभी जहाजों के लिए खुला रहा है, लेकिन हाल के तनाव के बाद क्षेत्रीय स्थिति बदल गई है। उन्होंने दावा किया कि ईरान इस मार्ग को बंद नहीं रखना चाहता, लेकिन 'नई परिस्थितियों' को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाएगा।

जालाली के अनुसार ईरान रूस को मध्यस्थ के तौर पर शामिल करने का इच्छुक है लेकिन अमेरिका ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने कहा, 'ईरान रूस को मध्य पूर्व संघर्ष के समाधान से जुड़े वार्ताओं में शामिल करना चाहता है, जबकि अमेरिका इस प्रक्रिया में अन्य पश्चिमी देशों को शामिल करने के पक्ष में नहीं है। '

उन्होंने ईरान के नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि देश का नेतृत्व स्थिर है और निर्णय प्रक्रिया सामान्य रूप से चल रही है।

यूक्रेन-रूस युद्ध रोकने की कोशिशें तेज, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने सीधी वार्ता का किया समर्थन

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के नेताओं ने यूक्रेन और रूस के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया है। उनका मानना है कि इससे युद्धविराम (सीजफायर) लागू करने और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यह बात उन्होंने लंदन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ हुई बैठक के बाद कही। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और जेलेंस्की ने बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि वे यूक्रेन और रूस के बीच सीधे संवाद का समर्थन करते हैं और चाहते हैं कि इसमें अमेरिका और यूरोप भी सक्रिय रूप से शामिल रहें। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, चारों नेताओं ने तुरंत और पूरी तरह से युद्धविराम लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बातचीत की शुरुआत मौजूदा युद्ध रेखा (फ्रंट लाइन) को आधार मानकर की जानी चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि शांति प्रक्रिया में यूरोप की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। इस दिशा में होने वाले सभी प्रयास यूक्रेन, यूरोपीय साझेदार देशों और अमेरिका के साथ मिलकर किए जाने चाहिए। नेताओं ने युद्धविराम के बाद यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया कि किसी भी समझौते में यूरोप की सुरक्षा से जुड़े हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। साथ ही, यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो (नाटो) से जुड़े किसी भी फैसले के लिए उनके सदस्य देशों की सहमति जरूरी होगी।

दक्षिणी फिलीपींस में भूकंप से तबाही, कई इमारतें गिरीं, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

मनीला । एक स्थानीय आपदा अधिकारी के अनुसार, फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में आए 7.8 तीव्रता के ऑफशोर (समुद्र के पास) भूकंप में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल सैंटोस सिटी के आपदा प्रबंधन प्रमुख एग्रीपिनो डेसेरा ने बताया कि अधिकारी अभी भी घटना की जांच कर रहे हैं। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने बताया कि यह भूकंप सुबह 7:37 बजे (स्थानीय समय) आया और इसकी गहराई 33 किलोमीटर थी। इसका केंद्र सारंगानी प्रांत के मासिम शहर से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र के नीचे था, जो जनरल सैंटोस के पास है। इस शहर की आबादी लगभग सात लाख है।

संस्थान के अनुसार, इस कंपन के बाद ऊंची-ऊंची लहरें उठीं, जिनकी अधिकतम ऊंचाई 1.4 मीटर थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कुछ इमारतें गिर गईं और कई जगह बिजली भी चली गई। आसपास के प्रांतों में भी झटके महसूस किए गए। भूकंप के बाद संस्थान ने नौ तटीय प्रांतों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की और लोगों को तुरंत ऊंचे स्थानों पर जाने या सुरक्षित अंदरूनी इलाकों में जाने की सलाह दी है। यह भी अनुमान लगाया गया है कि पहली सुनामी लहरें सोमवार सुबह तक पहुंच सकती हैं और इसके बाद कई घंटों तक असर रह सकता है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज़ मार्कोस ने प्रभावित इलाकों में आपदा राहत और निगरानी के निर्देश दिए और लोगों से तुरंत ऊंची जगहों पर जाने की अपील

की। यह भूकंप मिंडानाओ के पास समुद्र में आया, जो फिलीपींस का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है और दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंपीय गतिविधि वाले इलाकों में से एक माना जाता है।

फिलीपींस दुनिया के उस हिस्से में स्थित है जिसे 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है। यह वह क्षेत्र है जहां टेक्टोनिक प्लेट्स की सीमाएं मिलती हैं और यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं।

डीआरसी में इबोला की गंभीर स्थिति, केस बढ़कर 515 हुए, अब तक 91 की मौत

एजेंसी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला की स्थिति गंभीर होती जा रही है। अधिकारियों संक्रमण तेजी बढ़ने की बात कही है। अब तक कन्फर्म मामलों की संख्या बढ़कर 515 हो गई है, जिनमें 91 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार अगर नियंत्रण के उपाय जल्दी नहीं किए गए, तो संक्रमण और बढ़ सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार (स्थानीय समय) को जारी अपडेट में बताया कि तीन और मरीज ठीक हो गए हैं, जिससे अब तक ठीक होने वालों की संख्या 6 जून तक 12 हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 117 मामलों को संदिग्ध के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि 283 मरीज अभी भी आइसोलेशन या अस्पताल में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, काफी संख्या में संक्रमित मरीजों में 14 मई से 23 मई के बीच लक्षण दिखने शुरू हुए, जिससे संकेत मिलता है कि संभवत: किसी एक ही स्रोत से संक्रमण तेजी से फैला। इसमें 18 मई के आसपास मामलों का सबसे बड़ा बढ़त देखने को मिली। इसके बाद 25 मई से तीन जून के बीच एक और समूह में लक्षण दिखे, जो 'बीमारी के फैलाव' को दर्शाता है और संभव है कि यह आगे संक्रमण का एक बड़ा स्रोत बन रहा हो।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है, 'अगर तुरंत और सही कदम नहीं उठाए गए तो मामलों में और बढ़ोतरी हो सकती है। ' फिलहाल इस बीमारी पर नियंत्रण में कई दिक्कतें आ रही हैं, जैसे कि संक्रमित संपर्कों का सही तरीके से ट्रैक न हो पाना, समुदाय के लोगों का पोस्ट-मॉर्टम जांच में सहयोग न करना, इबोला उपचार केंद्रों में पर्याप्त सुविधाओं की कमी, संक्रमण रोकने के जरूरी सामान की कमी और फंडिंग की

कमी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तीन प्रभावित प्रांतों में संपर्कों की निगरानी सिर्फ 50.3 प्रतिशत ही हो पा रही है, जबकि लक्ष्य 95 प्रतिशत होना चाहिए था। लैब में जांच की क्षमता पर भी दबाव है, और नॉर्थ किवु प्रांत में रिएजेंट की कमी के कारण 193 टेस्ट के नतीजे अभी भी लंबित हैं। यह मौजूदा प्रकोप, जो इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से हुआ है, 15 मई को स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था।

जापान के एक शहर में भालू ने मचाया हड़कंप, एहतियातन 94 स्कूलों को किया गया बंद

एजेंसी

टोक्यो । टोक्यो से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर में स्थित है उत्सुनोमिया। लगभग पांच लाख आबादी वाले इस शहर में एक भालू ने हड़कंप मचा रखा है। नतीजतन, प्रशासन ने एहतियात के तौर पर 94 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को बंद करने का निर्देश जारी किया। यह कदम तब उठाया जब शनिवार को शहर के एक पार्क के पास लगभग एक मीटर लंबे मध्यम आकार के काले भालू को देखा गया। रविवार तड़के शहर के केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी भालू दिखाई दिया। फुटेज में वह दो युवकों के ठीक सामने दौड़ता नजर आया, जिससे वे घबरा गए। रविवार दिनभर भालू को रिहायशी इलाकों में देखा गया और सोमवार सुबह करीब 4 बजे वह शहर के केंद्र से लगभग 2 किलोमीटर दूर एक औद्योगिक क्षेत्र में भी दिखाई दिया। जापानी समाचार एजेंसी क्योडो के अनुसार, शहर प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें, भालू दिखाई देने

पर उसके पास न जाएं और निकटतम सुरक्षित भवन में शरण लें। स्थानीय निवासियों को सतर्क करने के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा वाहनों को भी तैनात किया गया है। पुलिस और स्थानीय शिकार संघ ने सोमवार सुबह भालू की तलाश फिर से शुरू कर दी। इस वर्ष जापान में भालुओं के दिखने की रिकॉर्ड 50,000 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में हुई हैं। आमतौर पर भालू टोक्यो के इतने करीब नहीं देखे जाते। हालांकि, पिछले महीने ओकूतामा में एक रूसी पर्वतारोही भालू के हमले में घायल हो गया था। इसके कुछ समय बाद एक अन्य भालू हाचिओजी शहर में भी दिखाई दिया। पिछले सप्ताह फुकुशिमा में एक भालू ने चार लोगों पर हमला किया था। बाद में वह एक कंपनी के कार्यालय में घुस गया, जहां उसने एक कर्मचारी को घायल कर दिया था

हाल के वर्षों में जापान में भालुओं के हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। मार्च तक के एक वर्ष में भालू हमलों से होने वाली मौतों और चोटों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस समस्या से निपटने के लिए स्थानीय सरकारें विभिन्न उपायों पर काम कर रही हैं, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े सीसीटीवी कैमरों के जरिए भालुओं की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है, लेकिन जापान के मुख्य द्वीप होंशू पर एशियाई काले भालुओं की आबादी 12,000 से 42,000 के बीच होने का अनुमान है। माना जाता है कि भालुओं की संख्या और उनके दिखने की घटनाएं दोनों बढ़ी हैं।

न्यूयॉर्क पेन स्टेशन पर चाकूबाजी की घटना में पांच लोग घायल, एक की हालत गंभीर

एजेंसी

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क पेन स्टेशन पर चाकूबाजी की घटना में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना रात हुई। फायर डिपार्टमेंट ऑफ न्यूयॉर्क सिटी के हवाले से सीबीएस न्यूज ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि एक संदिग्ध को जल्द ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, माना जा रहा है कि उस व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हैं। सीबीएस न्यूज का हवाला देते हुए समाचार एजेंसी ने बताया कि पुलिस के अनुसार मामले की आपराधिक जांच अभी जारी है और फिलहाल आतंकवाद से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला है। लोगों से इलाके से दूर रहने की अपील की है, क्योंकि वहां ट्रैफिक जाम, सड़क बंद होने और मेट्रो/ट्रांजिट में दिक्कतें हो सकती हैं।

न्यूयॉर्क पेन स्टेशन को पश्चिमी गोलार्ध का सबसे व्यस्त रेल हब माना जाता है, जहां हर दिन छह लाख से ज्यादा यात्री आते-जाते हैं। इससे पहले दोपहर को, अमेरिका के ओहियो राज्य के टोलेडो में एक कम्युनिटी फेस्टिवल के पास 12 लोगों को गोली मार दी गई थी, जिनमें दो की हालत गंभीर है। टोलेडो के डिप्टी पुलिस चीफ जो हेफ़रनन ने बताया कि दो लोग आपस में फायरगि कर रहे थे। पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है और लोगों से इलाके से दूर रहने की सलाह दी गई है। टोलेडो पुलिस विभाग के अधिकारी लगभग शाम 5:37 बजे (स्थानीय समय) ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल के पास गोली चलने की सूचना पर पहुंचे और वहां कई घायल लोगों को पाया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल दो दिन चलने वाला कार्यक्रम है, जिसमें लाइव संगीत, खाने-पीने के स्टॉल, घरों के टूर और शॉपिंग जैसी चीजें होती हैं।

ईरान से तनाव के बीच इजरायल में सुरक्षा अलर्ट, मिसाइल हमलों को रोकने के लिए डिफेंस सिस्टम सक्रिय

एजेंसी

तेहरान। ईरान से तनाव के चलते इजरायल में हालात को लेकर सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों की पहचान के बाद डिफेंस सिस्टम सक्रिय हो गए हैं। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में बताया कि कुछ देर पहले, आईडीएफ ने ईरान से इजरायल के इलाके की तरफ छोड़ी गई मिसाइलों का पता लगाया। इस खतरे को रोकने के लिए डिफेंस सिस्टम काम कर रहे हैं। पिछले कुछ मिनटों में होम फ्रंट कमांड ने संबंधित इलाकों में सीधे मोबाइल फोन पर एहतियाती निर्देश भेजे हैं। लोगों से जिम्मेदारी से काम करने और निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है।'' आईडीएफ ने कहा किअलर्ट मिलने पर लोगों को

सुरक्षित जगह पर जाने और अगली सूचना मिलने तक वहीं रहने का निर्देश दिया गया है। आईडीएफ ने लोगों को बताया कि साफ निर्देश मिलने के बाद ही सुरक्षित जगह से बाहर निकलने की इजाजत है। लोगों से होम फ्रंट कमांड की गाइडलाइंस के अनुसार काम करते रहने का अनुरोध किया जाता है। जनरल स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर, एयर फोर्स के कमांडर मेजर जनरल ओमर टिशलर और आईडीएफ के वरिष्ठ अधिकारी पिछले कुछ घंटों से एयर फोर्स ऑपरेशन्स सेंटर से लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं और ईरान में आईडीएफ के हमलों की कमान संभाल रहे हैं। आईडीएफ हाईअलर्ट पर है और इजरायल राज्य के लिए खतरा पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सभी सेक्टरों में ऑपरेशन जारी रखने के लिए तैयार है। आईडीएफ के अनुसार, बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। आईडीएफ ने बताया कि कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

ईरान की चेतावनी: लेबनान पर हमले जारी रहे तो इजरायल को भारी हमलों का करना पड़ेगा सामना

एजेंसी

तेहरान । ईरान के खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के चीफ कमांडर अली अब्दुल्लाही ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान और लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिण में मौजूद दाहियेह इलाके में अपने हमले बढ़ाता है या ईरान की कार्रवाई का जवाब देता है, तो उसे और भी 'कड़ी और पछतावा कराने वाली' चोटों का सामना करना पड़ेगा। ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी की ओर से रविवार (स्थानीय समय) को जारी बयान में उन्होंने कहा कि इजरायल को दक्षिणी लेबनान और दहिये पर अपने हमले तुरंत रोकने चाहिए, वरना उसके खिलाफ 'बहुत विनाशकारी' हमले शुरू किए जाएंगे। अब्दुल्लाही ने कहा कि इजरायल हर दिन लेबनानी लोगों के खिलाफ 'दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई' कर रहा है और उसे अमेरिका की मंजूरी मिली हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय संगठन कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल 'युद्ध अपराध' कर रहा है और प्रतिबंधित हथियारों, जैसे सफेद फॉस्फोरस बम, का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दी गई चेतावनियों के बावजूद इजरायल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले बढ़ा दिए हैं और दाहियेह इलाके को भी निशाना बनाया है। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने उत्तरी इजरायल में स्थित रमत डेविड एयर बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह हमला लेबनान में इजरायल की 'व्यापक कार्रवाइयों' के जवाब में किया गया है, जिनमें नागरिकों की मौत और विस्थापन शामिल है। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार माध्यम से कहा कि यह एयर बेस लेबनान पर होने वाले 'हमलों का मुख्य केंद्र' रहा है। उसने यह भी कहा कि 8 अप्रैल को अमेरिका और इजरायल के साथ हुआ युद्धविराम इस शर्त पर स्वीकार किया गया था कि सभी मोर्चों पर संघर्ष रुक जाएगा। लेकिन आरोप है कि अमेरिका और इजरायल ने अपने वादों का पालन नहीं किया और लेबनान में हमले और हिंसा जारी रखी। साथ ही ईरानी जहाजों और तटों पर भी हमला किया गया।

ईरान-अमेरिका विवाद पर राष्ट्रपति ट्रंप बोले, हम शांति समझौते के बहुत करीब हैं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान और अमेरिका शांति समझौते पर पहुंचने के बहुत करीब हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने सीजफायर समझौते को लेकर ये दावा किया है। इससे पहले भी ट्रंप ने कई बार कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत समझौते के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि अभी भी कुछ बातों पर असहमति है, जो जरूरी भी नहीं लगतीं। उन्होंने कहा कि ईरान पहले ही एक शर्त मान चुका है जिसमें वह न्यूक्लियर हथियार नहीं बनाने का वादा करता है। हालांकि, ट्रंप ने साफ किया कि वह चाहते हैं कि ईरान दूसरे तरीकों से ऐसे हथियार हासिल करने का अधिकार भी छोड़ दे। इटली की न्यूज एजेंसी एडनक्रोनोस ने बताया कि ईरान ने शुरू में कुछ विरोध किया और फिर ऐसा करना बंद कर दिया।

ट्रंप ने इजरायल से लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर और सर्जिकल रेड करने को कहा। इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि लेबनान में लोगों की जिंदगी बेहतर हो। मैं हिज्बुल्लाह के खिलाफ ज्यादा टारगेटेड अटैक देखना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह और सर्जिकल होना चाहिए। ' बेरूत में एक और इजरायली रेड में दो लोग मारे गए और 11 दूसरे घायल हो गए।

मध्य पूर्व में बढ़ा तनाव: ईरान-इजरायल तनाव के बीच हूती समूह का समर्थन, इजरायल को दी चेतावनी

एजेंसी

अदन (यमन) । यमन के हूती समूह ने कहा है कि वह ईरान की ओर से इजरायल के खिलाफ किए गए सैन्य ऑपरेशन का समर्थन करता है। उसने कहा कि 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' किसी भी नए हालात का सामना करने के लिए लगातार आपसी तालमेल में है। हूती समूह के अल-मसीरा टीवी की ओर से रविवार शाम (स्थानीय समय) जारी बयान में कहा गया कि ईरान का यह ऑपरेशन, जो उस दिन बेरूत के दक्षिणी इलाके में इजरायली हवाई हमलों के जवाब में किया गया, 'एकजुट मोर्चों के सिद्धांत' को मजबूत करता है और इजरायल की 'मनमानी' को चुनौती देता है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, समूह ने कहा वह लगातार संपर्क में है और क्षेत्र में होने वाले बदलावों के अनुसार कदम उठा रहा है। साथ ही उसने इजरायल को किसी भी तरह की स्थिति बिगाड़ने पर चेतावनी दी।

यह बयान तब आया जब ईरान ने रविवार शाम इजरायल की तरफ कई बैचों में मिसाइलें दागीं। इसके

बाद उत्तरी इजरायल के बड़े हिस्सों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे।

इजरायली सेना ने कहा कि उसने इन मिसाइलों को रोक लिया। इन हमलों के कारण पूरे उत्तरी इजराइल में सायरन बज उठे। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने या नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जामिर ने कहा कि सेना 'जैसे ही आदेश मिलेगा, दुश्मन पर पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई करेगी। '

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बयान में पुष्टि की कि उसने इजरायल के रमत डेविड एयरबेस को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया है। यह हमला उसने इजरायल की ओर से लेबनान में 'बड़े पैमाने पर किए गए अपराधों' के जवाब में किया है।

दूसरी ओर इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने सोमवार तड़के 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई।

page 1 and 8 June 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 09-Jun-26 1:43 AM Page 2

स्थानीय समाचार

जम्मू में कश्मीरी प्रवासियों के लिए 7.05 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

जम्मू, 08 जून जम्मू-कश्मीर सरकार ने जम्मू में रह रहे कश्मीरी प्रवासियों के कल्याण के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बजट के तहत 7.05 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन परियोजनाओं का उद्देश्य प्रवासी परिवारों के लिए सामुदायिक ढांचे को मजबूत करना और उपलब्ध सुविधाओं में सुधार करना है।

स्वीकृत कार्यों में मुठी स्थित प्रवासी शिविर में एक बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन का निर्माण शामिल है। यह शिविर कश्मीरी प्रवासी परिवारों की सबसे बड़ी बस्तियों में से एक है। इस भवन में पुस्तकालय और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए विशेष स्थान भी होगा।

इसके अलावा सरकार ने राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (प्रवासी), जम्मू के लिए एक नए कार्यालय भवन के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

अधिकारियों ने बताया कि यह सामुदायिक भवन सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जाने वाले आजीविका संबंधी कार्यों के लिए भी स्थान उपलब्ध कराएगा।

राहत एवं पुनर्वास आयुक्त के नए कार्यालय भवन से प्रशासनिक कार्यों में सुधार होगा तथा प्रवासी परिवारों के लिए राहत, पुनर्वास और कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

सरकार की यह घोषणा जम्मू में रह रहे कश्मीरी प्रवासियों के लिए बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं के उन्नयन के निरंतर प्रयासों के बीच की गई है

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए लेह में तंबाकू युक्त माउथ फ्रेशनर पर प्रतिबंध

लेह, 8 जून। लद्दाख प्रशासन ने लेह जिले में तंबाकू या तंबाकू जैसे पदार्थों वाले माउथ फ्रेशनर उत्पादों के भंडारण, बिक्री, प्रदर्शन, वितरण और आपूर्ति पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

लेह के जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163** के तहत यह आदेश जारी किया। आदेश में स्कूल जाने वाले बच्चों, विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों के माध्यम से ऐसे उत्पादों की उपलब्धता को लेकर बढ़ती चिंताओं का उल्लेख किया गया है।

आदेश के अनुसार, कूल लिप तथा अन्य समान तंबाकू युक्त माउथ फ्रेशनर ब्रांडों का नाबालिगों के बीच उपयोग बढ़ा है, जिससे उनके मुख स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि जनस्वास्थ्य के हित में तथा बच्चों को तंबाकू संबंधी उत्पादों के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए यह निवारक कदम उठाना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि यह आदेश अगले निर्देश जारी होने तक प्रभावी रहेगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस फैला रही क्षेत्रीय विभाजन की राजनीति

जम्मू, 08 जून । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री बाली भगत ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हालिया बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कांग्रेस पर क्षेत्रीय विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की उपेक्षा और उत्तर भारतीय नेताओं के प्रभुत्व संबंधी टिप्पणियां न केवल भ्रामक हैं बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी नुकसानदायक हैं। बाली भगत ने कहा कि कांग्रेस जब भी राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ती है तब वह लोगों को बांटने की राजनीति का सहारा लेती है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास, सुशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जनता को गुमराह करने में विफल रहने के बाद अब कांग्रेस उत्तर-दक्षिण विभाजन का माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत के संवैधानिक पद किसी क्षेत्र विशेष के लिए आरक्षित नहीं हैं और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी नागरिकों को समान अवसर प्रदान करती है। भगत ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ओडिशा से हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात से आते हैं जो रेवंत रेड्डी के दावों को निराधार साबित करता है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा जाति, भाषा, क्षेत्र और तुष्टिकरण की राजनीति के जरिए समाज में विभाजन पैदा करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का नारा भले ही 'भारत जोड़ो' हो लेकिन उसकी राजनीति 'भारत तोड़ो' की मानसिकता को दर्शाती है।बाली भगत ने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है और देश का प्रत्येक क्षेत्र, भाषा तथा समुदाय राष्ट्र निर्माण में समान भागीदार है।

एलजी सक्सेना ने एनएमआर-पंजीकृत डॉक्टरों को लद्दाख में प्रैक्टिस की अनुमति दी

लेह, 8 जून। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को एक मसौदा अधिसूचना को मंजूरी दे दी, जिसके तहत राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) में पंजीकृत सभी चिकित्सा प्रैक्टिशनरों को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में बिना किसी अतिरिक्त अनुमति या अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के चिकित्सा अभ्यास करने की अनुमति होगी।

यह कदम क्षेत्र में डॉक्टरों की कमी को दूर करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सरकारी नियमों के अनुसार, किसी भी चिकित्सा प्रैक्टिशनर के लिए उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराना अनिवार्य होता है, जहाँ वह चिकित्सा अभ्यास करना चाहता है।

लेकिन चूँकि लद्दाख की अपनी कोई मेडिकल या डेंटल काउंसिल नहीं है, इसलिए सक्सेना ने एक आदेश जारी करने का निर्देश दिया है, जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) में पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर लद्दाख में चिकित्सा अभ्यास करने के पात्र होंगे।

उपराज्यपाल ने इस संबंध में आवेदकों और आम जनता को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं। यह जानकारी लोक भवन के एक प्रवक्ता ने दी। प्रवक्ता ने

बताया कि यह निर्णय प्रशासन के जारी 'डीरेगुलेशन 2.0' सुधारों का हिस्सा है और इससे स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सा अधिकारियों तथा डॉक्टरों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है, विशेष रूप से लद्दाख के दूरस्थ और उपेक्षित क्षेत्रों में। लद्दाख कई वर्षों से डॉक्टरों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की गंभीर कमी का सामना कर रहा है। अनेक स्वीकृत पद लंबे समय से रिक्त पड़े हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य व्यवस्था को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत नियुक्त संविदा डॉक्टरों, चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों पर काफी हद तक निर्भर रहना पड़ता है, जिससे दूर-दराज़ के क्षेत्रों में विशेष चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता प्रभावित होती है।उपराज्यपाल ने कहा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक नागरिक की एक बुनियादी आवश्यकता है। यह सुधार अधिक योग्य चिकित्सा प्रैक्टिशनरों को लद्दाख की ओर आकर्षित करने में मदद करेगा, जिससे डॉक्टरों और विशेषज्ञों की कमी दूर होगी तथा विशेष रूप से दूरस्थ और कठिन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की डिलीवरी मजबूत होगी।

उन्होंने आगे कहा, यह कदम लद्दाख के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने के साथ-साथ डीरेगुलेशन 2.0 और पेशेवर कार्यप्रणाली को आसान बनाने के उद्देश्यों को भी आगे बढ़ाएगा। स्वीकृत ढाँचे के तहत, जिन सभी चिकित्सा प्रैक्टिशनरों के नाम राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के अंतर्गत बनाए गए राष्ट्रीय रजिस्टर में विधिवत दर्ज हैं, वे अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों और विनियमों के प्रावधानों के अधीन रहते हुए लद्दाख में चिकित्सा प्रैक्टिशनर के रूप में कार्य करने के पात्र होंगे। प्रवक्ता ने बताया कि यह मंजूरी डीरेगुलेशन 2.0 के प्राथमिकता क्षेत्र 19 (स्वास्थ्य सेवा) के अंतर्गत विस्तृत विचार-विमर्श के बाद दी गई है। इसका उद्देश्य किसी भी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश या राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर में पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनरों को बिना अतिरिक्त अनुमति या अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के किसी अन्य केंद्र शासित प्रदेश में चिकित्सा अभ्यास करने की प्रक्रिया को सरल बनाना है।

मुख्य सचिव ने कश्मीरी प्रवासियों के पुनर्वास उपायों की समीक्षा की, ट्रांजिट आवास जल्द सौंपने के निर्देश

श्रीनगर, 8 जून। जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम पैकेज कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की, जिनमें ट्रांजिट आवास, करियर प्रगति, पुनर्वास उपाय और विस्थापित समुदायों के कल्याण से जुड़े विषय शामिल थे।

बैठक में वित्त, पीडब्ल्यूडी, डीएमआरआर एंड आर, एफसीएस एंड सीए, योजना, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), राजस्व, ग्रामीण विकास, परिवहन विभाग सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने कश्मीर संभाग में पीएम पैकेज कर्मचारियों के लिए बनाए गए ट्रांजिट आवासों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी तैयार फ्लैट जल्द से जल्द आवंटित और उपयोग में लाए जाएं। उन्होंने राहत आयुक्त (प्रवासी) को निर्देश दिया कि सभी पूर्ण आवासों को जुलाई अंत तक पात्र कर्मचारियों को सौंपना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने निर्माणाधीन फ्लैटों की स्थिति, बिजली, पेयजल, सड़क संपर्क, बाउंड्री वॉल और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की। बैठक में जम्मू में प्रवासी कॉलोनियों के संचालन एवं रखरखाव तथा अतिरिक्त आवास सुविधाओं के विस्तार पर भी चर्चा हुई। कर्मचारियों की पदोन्नति, वरिष्ठता सूची और अंतर-जिला स्थानांतरण जैसे सेवा संबंधी मुद्दों की भी समीक्षा की गई। विभागों ने पीएम पैकेज कर्मचारियों के कैडर संबंधी विवरण और डीपीसी की स्थिति प्रस्तुत की। विस्थापित परिवारों के पुनर्वास से जुड़े अन्य मुद्दों, आरएएस मामलों, बजट प्रावधान और एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने पर भी चर्चा हुई। डीएमआरआर एंड आर के प्रधान सचिव चंद्राकर भारती ने बताया कि प्रवासी कॉलोनियों के संचालन एवं रखरखाव के लिए डीपीआर तैयार किया गया है। राहत आयुक्त (प्रवासी) डॉ. अरविंद करवानी ने बताया कि 6,000 स्वीकृत ट्रांजिट फ्लैटों में से 4,648 पूरे हो चुके हैं और 3,257 फ्लैट पात्र कर्मचारियों को आवंटित किए जा चुके हैं।

देवसर विधायक ने नौबुग कुंड में नायब तहसील कार्यालय का उद्घाटन किया, पुस्तकालय की आधारशिला रखी

कुलगाम, 8 जून। देवसर विधायक पीरजादा फिरोज अहमद ने आज नौबुग कुंड में नव-निर्मित नायब तहसील कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलगाम के उपायुक्त शाहजाद आलम सहित अन्य जिला अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे। विधायक ने उसी दौरान पुस्तकालय की आधारशिला भी रखी, जिसे क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) के तहत स्थापित किया जाएगा। यह पुस्तकालय छात्रों और युवाओं के लिए अध्ययन और पठन की सुविधा प्रदान करेगा। बाद में विधायक ने वल्टेंगू ज़ियारत शरीफ का दौरा किया और वहां चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को समय पर कार्य पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने चोगाम क्षेत्र में स्थित बेरिगाम जल नहर का भी निरीक्षण किया और किसानों द्वारा बताई गई सिंचाई पानी की समस्या पर ध्यान दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

सीबीएसई- पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के लिए 1.6 लाख से अधिक छात्रों ने किया आवेदन

***नई दिल्ली, 8 जून।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को बताया कि उसका पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं का पोर्टल निर्धारित आवेदन अवधि के दौरान पूरी तरह कार्यशील रहा और 1.6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 3.8 लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं के लिए सफलतापूर्वक अनुरोध दर्ज किए।

सीबीएसई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन विंडो 2 जून से 7 जून तक पूरी अवधि के दौरान सुचारु रूप से संचालित रही। यह प्रक्रिया सरकारी तकनीकी एजेंसियों और आईआईटी की टीमों की निगरानी में की गई।

बोर्ड ने कहा, **इस अवधि के दौरान 1.6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 3.8 लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं के लिए सफलतापूर्वक अनुरोध दर्ज किए, जो छात्रों द्वारा इस सेवा के व्यापक उपयोग को दर्शाता है।

सीबीएसई ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान सिस्टम पर साइबर सुरक्षा टीमों की निगरानी रही ताकि किसी प्रकार के साइबर हमले या दुर्भावनापूर्ण ट्रैफिक को रोका जा सके। साथ ही, छात्रों की सहायता के लिए हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण चैनल भी सक्रिय रहे।

यह स्पष्टीकरण उन मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों के बाद आया है जिनमें पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के पोर्टल के संचालन को लेकर सवाल उठाए गए थे।

कुछ छात्रों और अभिभावकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बोर्ड ने कहा कि रोल नंबर नहीं मिला संदेश केवल तब दिखाई देता है जब किसी उम्मीदवार ने पोस्ट-रिजल्ट प्रक्रिया के पहले चरण यानी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी के लिए आवेदन सफलतापूर्वक नहीं किया होता है।

बोर्ड ने स्पष्ट किया, **केवल वे अभ्यर्थी जिन्होंने पहले चरण (उत्तर पुस्तिका फोटोकॉपी) में आवेदन किया था, वे ही आगे के चरणों—वेरिफिकेशन ऑफ इश्यूज ऑब्ज़र्व्ड और उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन—के लिए पात्र होते हैं।

सीबीएसई हाल ही में विवादों में रहा है, जब कुछ कक्षा 12 के छात्रों ने आरोप लगाया कि बोर्ड द्वारा अपलोड की गई उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी उनकी लिखावट से मेल नहीं खाती, जिससे ओएसएम सिस्टम में संभावित गड़बड़ी की आशंका जताई गई।

योगी आदित्यनाथ और डॉ. जितेंद्र सिंह ने लखनऊ क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र का शुभारंभ किया, हाइपर-लोकल सटीक मौसम पूर्वानुमान को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ, 8 जून।। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ लखनऊ में नए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (रीजनल मेट्रोलॉजिकल सेंटर - आरएमसी) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत के मौसम विज्ञान ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिससे देशभर में अधिक सटीक, स्थान-विशिष्ट और प्रभाव-आधारित मौसम पूर्वानुमान सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले दस वर्षों में मौसम पूर्वानुमान और अवलोकन प्रणालियों में हुई प्रगति ने नागरिकों, आपदा प्रबंधन एजेंसियों, किसानों, पर्यटकों और विमानन क्षेत्र को मौसम संबंधी सेवाएं प्रदान करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में भारत में केवल 17 डॉप्लर मौसम रडार थे, जबकि जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तराखंड जैसे कई रायों में एक भी रडार उपलब्ध नहीं था।

अब देश में डॉप्लर मौसम रडारों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। इसके अलावा मिशन मौसम के तहत 50 और रडार लगाने का प्रस्ताव है, जिससे अगले दो वर्षों में इनकी कुल संख्या लगभग 100 हो जाएगी। इससे देशभर में वास्तविक समय में मौसम निगरानी और पूर्वानुमान क्षमता को काफी मजबूती मिलेगी।

मौसम पूर्वानुमान सेवाओं में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि अब मौसम पूर्वानुमान व्यापक क्षेत्रीय स्तर से आगे बढ़कर अत्यंत स्थानीय और समय-विशिष्ट हो गया है। नागरिक अब अगले कुछ घंटों की मौसम जानकारी भी सटीक रूप से प्राप्त कर सकते हैं, जिससे बेहतर योजना और तैयारी संभव हो रही है। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमानों पर लोगों का बढ़ता विश्वास अवलोकन नेटवर्क, पूर्वानुमान मॉडल और सूचना प्रसारण प्रणालियों में हुए बड़े सुधारों का परिणाम है।

उत्तर प्रदेश का विशेष उल्लेख करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि राय की भौगोलिक विविधता और जलवायु संबंधी परिवर्तनशीलता इसे उन्नत मौसम सेवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश बाढ़, सूखा, लू, आंधी-तूफान और अन्य चरम मौसम घटनाओं के प्रति संवेदनशील है, इसलिए समय पर पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणाली सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा तैयारी के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि पिछले दशक में उत्तर प्रदेश की मौसम संबंधी आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2014 में राय में केवल एक डॉप्लर मौसम रडार था, जबकि अब तीन रडार संचालित हो रहे हैं और कई अन्य स्थापित किए जा रहे हैं। राय में स्वचालित मौसम केंद्रों की संख्या 59 से बढ़कर 107 हो गई है। स्वचालित वर्षा मापक केंद्र 132 से बढ़कर 140 हो गए हैं, जबकि बिजली गिरने की निगरानी करने वाले सेंसरों की संख्या शून्य से बढ़कर 7 हो गई है।

इसके अलावा अब उत्तर प्रदेश के 11 हवाई अड्डों पर विमानन मौसम सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उत्तराखंड में मौसम सेवाओं के विस्तार पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फ्लैश फ्लड, बादल फटना, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील होने के बावजूद पहले राय में कोई डॉप्लर मौसम रडार नहीं था। आज वहां तीन रडार स्थापित किए जा चुके हैं और मिशन मौसम के तहत अतिरिक्त प्रणालियां लगाने की योजना है। स्वचालित मौसम केंद्रों, हवाई अड्डा मौसम वेधशालाओं और बिजली पहचान प्रणालियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे हिमालयी क्षेत्र में मौसम निगरानी मजबूत हुई है।

आपदा प्रबंधन एवं अग्नि सुरक्षा पर जम्मू मंडल की नई पहल - विशेष पुस्तिका जारी

जम्मू, 08 जून। आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से जम्मू मंडल ने आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। मंडल द्वारा आपदा प्रबंधन एवं अग्नि सुरक्षा कार्य योजना शीर्षक से एक विशेष मार्गदर्शिका पुस्तिका जारी की गई।

इस पुस्तिका का विमोचन मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी तथा मंडल सुरक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पुस्तिका का उद्देश्य*

यह पुस्तिका जम्मू मंडल तथा उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के लिए तैयार की गई है। इसमें आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, अग्नि सुरक्षा उपाय, निकासी योजना, संचार व्यवस्था तथा कर्मचारियों की भूमिका संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई है। अब कर्मचारियों को सभी आवश्यक दिशा-निर्देश एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

अधिकारियों ने कहा मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक कुमार ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह पुस्तिका कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं सही निर्णय लेने में सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि केवल कागज पर योजना बनाना

पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका नियमित अभ्यास भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाती रहेंगी।

इस पुस्तिका में आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर, अग्नि सुरक्षा संबंधी आवश्यक कदम तथा प्रत्येक विभाग की जिम्मेदारियों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इससे किसी भी आपदा की स्थिति में भ्रम की स्थिति से बचा जा सकेगा और राहत एवं बचाव कार्य अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकेंगे।

सुरक्षित यात्रा, सुरक्षित गंतव्य की दिशा में एक और कदम

इस पुस्तिका के माध्यम से जम्मू मंडल ने सुरक्षित यात्रा, सुरक्षित गंतव्य के अपने संकल्प को और मजबूत किया है। यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंडल भविष्य में भी ऐसे नवाचार और प्रभावी पहल करता रहेगा।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था , दशक भर के आर्थिक सुधारों का नतीजा है 7.7 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथः पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 8 जून। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत की 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर सरकार द्वारा पिछले एक दशक में किए गए लगातार नीतिगत हस्तक्षेपों और आर्थिक सुधारों का परिणाम है। इन्हीं सुधारों की बदौलत भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपमें से किसी ने कल्पना की होगी कि बीता वित्त वर्ष 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ समाप्त होगा। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि एक दशक के संरचनात्मक सुधारों का नतीजा है। मंत्री ने देश भर में निवेश के लिए तैयार 100 औद्योगिक पार्कों के विकास को तेज करने के उद्देश्य से भव्य पोर्टल लॉन्च किया। इससे पहले 23 मई को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए थे। इस योजना के तहत वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक छह वर्षों में लगभग 33,660 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय प्रावधान के साथ 100 औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। योजना के पहले चरण में चुनौती-आधारित प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 50 तक औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। 31 जुलाई तक प्राप्त आवेदनों में से 20 औद्योगिक पार्क चुने जाएंगे, जबकि अगले चार महीनों में प्राप्त आवेदनों में से 30 और पार्कों का चयन किया जाएगा। गोयल ने कहा कि सरकार पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। लोगों को बेहतर जीवन स्तर, जीवनयापन में आसानी (ईज ऑफ लीविंग) और कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता रही है, जिससे देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। मंत्री ने कहा, 25 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। कई पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया है। हमारे पास एक ऐसी सरकार है जो लोगों की बात सुनती है, सतर्क रहती है और समय पर आवश्यक कदम उठाती है। गोयल ने कहा कि इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए भारत के निर्यात में पिछले वर्ष भी वृद्धि हुई, जबकि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ और यूक्रेन तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बावजूद भारत के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई। उन्होंने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत ने पिछले वर्ष रिकॉर्ड स्तर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया।